www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 326 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
21 फरवरी 2026 || पृष्ठः 12 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:39
सूर्यास्तः 06:02
अधिकतमः 28:00
न्यूनतमः 15:00

पेज 11

विशेष समाचार | प्रोफेशनल्स का भविष्य... >> पेज 04 | एमबीए पास भाई का मर्डर... >> पेज 10 | बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक को ...

अनुदेशकों की भी सैलरी बढ़ाई, योगी का विधानसभा में ऐलान

शिक्षा मित्रों को अब मिलेंगे ₹ 18 हजार

शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ा

घोषणा

> विधानसभा में सीएम योगी ने कहा- शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार देंगे।

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। यूपी में 1.70 लाख शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। शिक्षा मित्रों को अब 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपए हर महीने मिलेंगे। अभी तक शिक्षा मित्रों को 10 और अनुदेशकों को 9 हजार रुपए ही मिल रहे थे।

सीएम योगी ने विधानसभा में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, सरकार ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के हित में यह कदम उठाया है। पहले सपा सरकार में इन्हें मात्र 3 हजार रुपए मिलते थे। हमारी सरकार ने 2017 में ही 10 हजार किया था। अब महंगाई को देखते हुए एक साथ 8 हजार रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

9 साल बाद शिक्षा मित्रों की सैलरी बढ़ी है। अब उनका ट्रांसफर भी होगा। सरकार ने शिक्षा मित्रों को और उनके परिवार को पांच लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी है। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल यादव ने इस फैसले का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा पहली बार सरकार ने एक साथ 8 हजार रुपये की बढ़ोतरी की है। इस महंगाई के दौर में शिक्षा मित्रों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

शिक्षा मित्रों का सफर रहा उतार-चढ़ाव भरा

- 2001 में नियुक्ति के समय मात्र 1500 रुपए मानदेय मिलता था।
- एक साल में बढ़ाकर 2250 किया गया।
- 2005 में मुलायम सिंह सरकार ने 150 रुपए बढ़ाकर 2400 किया।
- मायावती सरकार में 600 रुपए बढ़ाकर 3000 कर दिया गया। उसी दौरान शिक्षा मित्रों के लिए दो वर्षीय बीटीसी कोर्स शुरु हुआ।
- 2014 में कोर्स पूरा होने पर अखिलेश सरकार ने जुलाई में उन्हें पूर्णकालिक अध्यापक बना दिया, तब 43 हजार रुपए मिलते थे।
- लेकिन 25 जुलाई, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर समायोजन रद्द हो गया।
- 1 अगस्त, 2017 से फिर शिक्षा मित्र पद पर वापस, मानदेय 3500 रुपए था।
- योगी सरकार ने उसी साल 10 हजार रुपये कर दिया, जो अब तक चल रहा था।

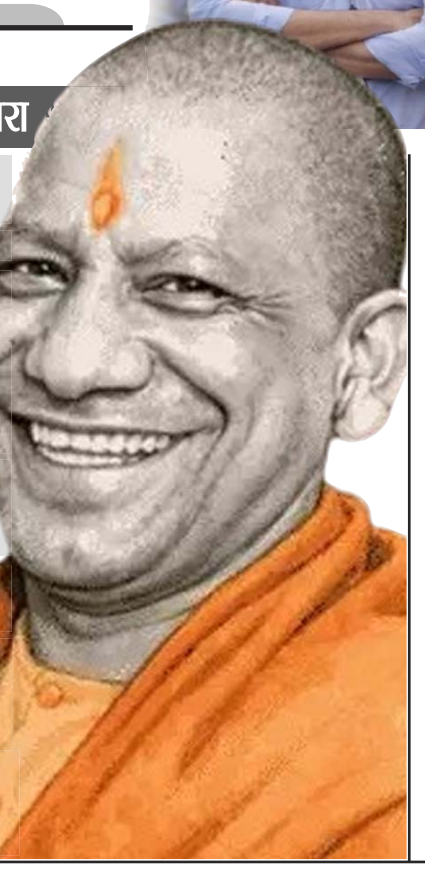

सहायक अध्यापक से फिर शिक्षामित्र बना दिए गए

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से एक साथ 1.78 लाख सहायक अध्यापक फिर शिक्षामित्र बना दिए गए। 50 हजार रुपए वेतन पाने वाले फिर 3500 रुपए महीने के मानदेय पर आ गए। इसके खिलाफ प्रदेश भर से आए शिक्षामित्रों ने लखनऊ में गोमती के तट पर बड़ा आंदोलन किया। आंदोलन के बाद सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 3500 से बढ़ाकर 10 हजार रुपए महीने करने की घोषणा की। शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक भर्ती में वरीयता देने के लिए 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती की घोषणा भी की। शिक्षामित्रों को आयु सीमा के साथ 25 बोनस अंक भी दिए गए। उसके बाद 2019 में फिर 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती की घोषणा की। इसमें भी शिक्षामित्रों को आयु सीमा में छूट के साथ बोनस अंक दिए गए। दोनों भर्ती में करीब 13 हजार से अधिक शिक्षामित्र सहायक अध्यापक बने।

शिक्षा मित्रों का 25 जुलाई 2017 को हुआ था समायोजन रद्द

यूपी में 2001 से शिक्षामित्रों की नियुक्ति शुरू हुई थी। सपा की सरकार ने 2013-14 में शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक के पद पर समायोजित किया था। जिनका समायोजन नहीं हुआ उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने 12 सितंबर 2015 को इन शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द करने का आदेश दिया। सपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए शिक्षामित्रों का समायोजन रद्द कर दिया।

भाजपा सरकार ने 2017 में समाधान का किया था वादा

प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में करीब 1.42 लाख शिक्षामित्र हैं। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक छात्र अनुपात 1:30 होना चाहिए। शिक्षामित्रों की संख्या के कारण ही परिषदीय स्कूलों में यह अनुपात 1:22 है। शिक्षा मित्रों की संख्याबल के कारण ही शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि फिलहाल सहायक टीचर भर्ती की आवश्यकता नहीं है।

>> (शेष पेज 10 पर)

सीएम ने कहा, सपा सरकार में हर साल इंसेफेलाइटिस से 1500 से 1700 एससी- एसटी बच्चों की मौतें होती थीं। 2019 के बाद से इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन हो चुका है। हमने किसी की जाति नहीं देखी। सपा की 4 बार सरकार बनी, लेकिन आपने विचार तक नहीं किया।

योगी बोले- सपा गरीब ब्राह्मणों को ही स्कॉलरशिप दे देती

'जाति-मजहब देखना सरकार के लिए पाप'

कांग्रेस ने अपने जैसी गड्ढा खोदो-पाटो... मनरेगा योजना बनाई - योगी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के बजट सत्र का आज आखिरी दिन है। सीएम योगी बजट पर बोल रहे हैं। योगी ने कवि दिनकर की एक कविता सुनाई मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का, वीरों का, धनुष छोड़ कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का? पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर, जाति-जाति का शोर मचाते केवल कायर, क्रूर। योगी ने कहा, हमने किसी की जाति, मत और मजहब नहीं देखा। यदि सरकार ये सब देखे तो यह पाप है। सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद से कहा- अरे पांडेय जी, गरीब ब्राह्मणों को भी दे दिया होता, जो गरीब ब्राह्मण स्कॉलरशिप तक नहीं पाते थे। माता प्रसाद ने जवाब दिया- गरीब ब्राह्मण जीने तो पाएं।

सीएम ने माता प्रसाद पांडेय पर तंज कसा। कहा, आप सच्चे समाजवादी हैं। समाजवादी विचारधारा के साथ चले, वो अलग बात है कि आपके साथ शिवपाल जी जैसे लठैत ने भी चलने की कोशिश की। कांग्रेस ने भारत की छवि खराब की: भारत मंडपम के AI समिट में 100 से ज्यादा देशों के लोग आए।

>> (शेष पेज 10 पर)

अयोध्या में 500 बेड का अस्पताल, पीजीआई में स्पेशियलिटी सेंटर बनाएंगे - योगी

योगी ने कहा कि अयोध्या में 500 बेड के हॉस्पिटल बनाए जाएंगे। इसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। पीजीआई में एक स्पेशियलिटी सेंटर बनाया जा रहा है। उसके लिए हमने 839 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है।

माता प्रसाद ने पांडेय ने कहा- एक कानून लाइए जिससे स्कूल-कॉलेज की फीस तय हो। वरना गलगोटिया जैसी स्थिति होगी।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने संविदा कर्मचारियों का मुद्दा उठाया।

30 वर्ग मीटर तक कॉमर्शियल निर्माण पर छूट

योगी ने कहा कि किसी को 100 वर्ग मीटर तक आवासीय और 30 वर्ग मीटर तक व्यावसायिक बनाने पर नक्शा पास करवाने की जरूरत नहीं है। सिर्फ पंजीकरण करवाएं। अगर कोई परेशान करता है तो हम कार्रवाई करेंगे।

>> (शेष पेज 10 पर)

फास्ट न्यूज

'गौरव गोगोई सही रास्ते पर हैं'

गुवाहाटी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गौरव गोगोई और उनके परिवार को 'पाकिस्तान लिंक' के आरोपों में घसीटना गलत राजनीति है। प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए।

सजा शोषण

यूपी के इंजीनियर और उसकी पत्नी को फांसी होगी

बांदा । उत्तर प्रदेश के बांदा कोर्ट ने शुक्रवार को बच्चों का यौन शोषण करने वाले पति-पत्नी को फांसी की सजा सुनाई। ये दोनों बच्चों का यौन शोषण करते थे और अश्लील वीडियो-फोटो बनाकर डार्क वेब के जरिए विदेशों में बेचते थे। फैसला देते समय पॉक्सो कोर्ट के जज प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा- दोनों पति-पत्नी को मरते दम तक फंदे पर लटकाए रखा जाए। इससे पहले कोर्ट ने 18 फरवरी को दोनों को दोषी ठहराया था। पति रामभवन सिंचाई विभाग का इंजीनियर था, जबकि पत्नी दुर्गावती हाउस वाइफ थी।

'बंगाल सरकार और ईसी में भरोसे की कमी'

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी विवाद पर 'असाधारण' निर्देश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल को इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जज को तैनात करने को कहा।

राजनीतिक साजिश में फंसाया : राहुल गांधी

शाह मानहानि केस-राहुल का आरोपों से इनकार

पेशी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर । गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की MP/MLA कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है।

पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने

जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा-हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। कोर्ट से निकलने के बाद राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। >> (शेष पेज 10 पर)

शुक्रवार सुबह राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से कार से कोर्ट पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने माला पहनाने की कोशिश की, लेकिन राहुल ने मना कर दिया। कोर्ट से बाहर निकलने पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ पहुंच गई थी। इसके चलते सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें दूसरे गेट से बाहर निकाला।

मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए, बीजेपी बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को AI समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं।

टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

दिल्ली पुलिस ने 4 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

>> (शेष पेज 10 पर)

- दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इसमें कई गंभीर आरोप लगाए हैं। गिरफ्तार किए गए चार कार्यकर्ताओं को आज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, बाकी प्रदर्शनकारियों की पहचान की जा रही

पुलिस बोली- प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया था

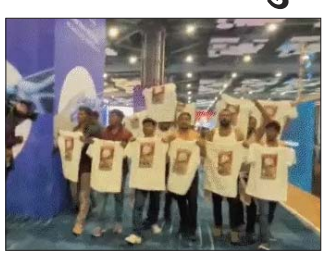

दिल्ली पुलिस में एडिशन कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी। प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और क्यूआर कोड स्कैन करके समिट हॉल में एंट्री की। उन्होंने ऊपर स्वेटर और जैकेट पहनी हुई थी और अंदर टी-शर्ट। हॉल नंबर 5 के पास उन्होंने अपने स्वेटर और जैकेट उतार दिए और टी-शर्ट लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं पर पुलिस के साथ झड़प करने का भी आरोप है।

सुविधा : जिलाधिकारी ने केंद्रीय भंडार परिसर में वितरित किए पम्पसेट

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत 366 किसानों को पम्पसेट वितरण

- 05 एचपी पम्पसेट के तहत सर्वाधिक लाभार्थी
- 6.5 और 08 एचपी पम्पसेट का भी वितरण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत जनपद में 366 किसानों को पम्पसेट वितरित किए गए। केंद्रीय भंडार, लघु सिंचाई विभाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने लाभार्थियों को पम्पसेट सौंपे। कार्यक्रम में

लघु व सीमांत किसानों को 90 प्रतिशत तक अनुदान

परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल सिंह तथा लघु सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्ष 2015-16 से 2024-25 तक संचालित उथली बोरिंग योजना के तहत ऐसे लाभार्थियों को प्राथमिकता दी गई, जो निजी पम्पसेट की व्यवस्था नहीं कर सके थे। योजना का उद्देश्य लघु एवं सीमांत किसानों को सस्ती और सुलभ सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वर्षा पर निर्भरता कम हो और फसल उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

90 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान

लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार योजना के तहत पम्पसेट पर अधिकतम 90 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाता है। इससे लघु और सीमांत किसानों पर आर्थिक बोझ कम होता है और वे आधुनिक सिंचाई साधनों का उपयोग कर सकते हैं। अनुदान की व्यवस्था सीधे पात्र किसानों को उपलब्ध कराई जाती है।

उथली बोरिंग योजना के अंतर्गत ऐसे कृषकों को लाभ दिया गया है, जिनके पास सिंचाई के सीमित साधन हैं। विभागीय स्तर पर पात्रता की जांच के बाद लाभार्थियों का चयन किया गया। वितरण प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया गया।

वितरण विवरण के अनुसार 05 एचपी पम्पसेट के अंतर्गत कुल 353 किसानों को लाभान्वित किया गया। >> (शेष पेज 10 पर)

'क्योटो भी चले जाइएगा अब तो चला-चली की बेला है'

योगी के जापान दौरे पर अखिलेश का तंज

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे पर तंज कसा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जापान जा रहे हैं तो क्योटो भी चले जाइएगा,, जिससे ये पता चल सके कि प्रधान-संसदीय क्षेत्र काशी, क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया या उसकी विरासत कैसे बिगड़ी.

अखिलेश यादव ने आगे लिखा- वैसे अब चला-चली की बेला में अपने अंतिम वर्ष में कौन सा तो ये जापान का अध्ययन कर लेंगे और क्या ही योजना बना पाएंगे. ये मुख्यमंत्री जी का 'मनसुख-पर्यटन' है, अगर वो स्वीकार कर लें, तो

- जापान से विरासतों को बचाने और शहरों को आगे बढ़ाने का सकारात्मक सबक लेते आइएगा -अखिलेश

जाते-जाते कम-से-कम एक सच बोलने के लिए उन्हें लोग याद रखेंगे. 'वनस्पति के विशेष अध्ययन' का व्यक्तिगत लाभ ही उठाएंगे या अपने करीबियों से भी साझा करेंगे।

>> (शेष पेज 10 पर)

लोक नृत्यों की गूंज से मजबूत हो रहे भारत-नेपाल रिश्ते, पूर्वांचल और तराई में सजा सांस्कृतिक उत्सव

डिजिटल दौर की युवा पीढ़ी ने संस्कृति से बदला नजरिया

महोत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करता 'भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026' इन दिनों जनमानस को लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर कर रहा है। 16 फरवरी से प्रारंभ हुआ यह बहुप्रतीक्षित महोत्सव अपने आधे पड़ाव तक पहुंच चुका है। दोनों देशों के कलाकारों की अनूठी लोक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। झगड़ जनजाति लोक नृत्य, कुमारी नृत्य, फरुवाही लोक नृत्य तथा बधावा लोक नृत्य की मनमोहक छटा भारत-नेपाल की साझा विरासत को नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026' दोनों देशों के संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। भारत और नेपाल के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और भावनात्मक आधार पर सदियों से जुड़े हैं। इन रिश्तों को और प्रगाढ़ करने के साथ-साथ पर्यटन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी नया आकार देगा। महोत्सव प्रदेश के पूर्वांचल और तराई के आठ जिलों में मित्रता का मंच सजा रहा है। इसमें एक जनपद, एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी भी लगी है।'

28 फरवरी तक जारी रहेगा भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव-2026

- भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में दोस्ती की नई मिसाल
- झगड़, कुमारी, फरुवाही और बधावा नृत्य ने बिखेरी छटा, सांस्कृतिक रंग में रंगी युवा पीढ़ी
- पूर्वांचल और तराई में सजी मित्रता की अनोखी मिसाल, भारत-नेपाल महोत्सव बना 'जन उत्सव'
- भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026 बना सांस्कृतिक एकता और पर्यटन प्रोत्साहन का महापर्व- जयवीर सिंह

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'इस महोत्सव ने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि डिजिटल युग में जी रही मौजूदा पीढ़ी जब अपनी अभिव्यक्ति को परंपरा के रंगों से सजाती है, तब पूर्वांचल और तराई की धरती पर भारत-नेपाल मैत्री और भी प्रखर एवं अर्थपूर्ण स्वरूप में सामने आती है।'

रचनात्मक गतिविधियों से सशक्त संदेश

28 फरवरी तक चलने वाले इस महोत्सव में स्काउट एंड गाइड के बच्चों द्वारा योग का सुंदर प्रदर्शन, भारत-नेपाल मैत्री विषय पर चित्रकला और रंगोली जैसी रचनात्मक गतिविधियां भारत-नेपाल की दोस्ती का सशक्त संदेश दे रही हैं। नेपाल से आए कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जब मंच पर अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेरी, तो भारत-नेपाल मैत्री केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही, बल्कि आत्मीयता के जीवंत उत्सव में बदल गई।

'रोटी-बेटी' रिश्ते की झलक

कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में आयोजित महोत्सव में धोबिया लोकनृत्य और नुक्कड़ नाटकों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दोनों देशों के संबंधों को भावनात्मक गहराई से प्रस्तुत किया। कलाकारों ने 'रोटी-बेटी' के आत्मीय रिश्ते को मंच पर इस तरह साकार किया कि दर्शक भाव-विभोर हो उठे। प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि भारत-नेपाल की यह परंपरागत मित्रता और पारिवारिक जुड़ाव हर वर्ष इसी उत्साह, उल्लास और आपसी सम्मान के साथ मनाया जाता रहेगा।

1320 किलो खजूर और 1418 किलो कचरी जब्त

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रमजान और होली के त्योहार को देखते हुए FSDA (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) ने खान-पान की दुकानों और कोल्ड स्टोरेज पर छापेमारी की। इस दौरान 1320 किलो खजूर और 1418 किलो रंगीन कचरी जब्त की। कुल 41 लाख रुपए से अधिक मूल्य के खाद्य पदार्थ सीज किए गए।

FSDA टीम ने ऐशबाग स्थित स्वरूप कोल्ड स्टोरेज, अयोध्या रोड स्थित हिमालयन कोल्ड स्टोरेज, रायबरेली रोड के हैवतमऊ क्षेत्र की डेयरियों और मिठाई की दुकानों पर निरीक्षण किया। अमीनाबाद के कारोबारी प्रेम हरवानी के स्वरूप कोल्ड स्टोरेज में रखे गए 56,720 रुपए की खाने-पीने की वस्तुएं सीज की गईं। हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में ढाई लाख के 1320 किलो खजूर एक्सपायर्ड और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट करा दिया गया।

- एफएसडीए ने 20475 किलो सुपारी समेत 41 लाख के खाद्य पदार्थ सीज किए

इसी प्रतिष्ठान से 2000 किलो हल्दी (करीब 3.60 लाख रुपए) और 36 लाख की 20475 किलो सुपारी सीज की गई। रायबरेली रोड स्थित नरेश दूध डेरी और श्री गोपाल स्वीट्स से भी पनीर और पेड़ा के नमूने जांच के लिए लिए गए। अभियान के दौरान कुल 23893 किलो खाद्य पदार्थ, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 4102,220 रुपए है, को सीज किया गया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ नगर निगम का 4692.71 करोड़ का बजट तैयार

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम की तरफ से साल 2026-27 के बजट को लेकर 22 फरवरी को कार्यकारिणी बैठक की जाएगी। इसमें आने वाले वित्त वर्ष में शहर के विकास और एजेंडा तय होगा। कुल 4692.71 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी मिलेगी। नगर निगम की तरफ से इसकी तैयारी कर ली गई है। 12 फरवरी को हुई बैठक में पूरी रूपरेखा अधिकारियों ने तैयार कर ली है।

लखनऊ में बिजलीकर्मियों का थाने पर प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ में पावर हाउस में घुसकर बिजलीकर्मियों को थप्पड़ मारने की घटना के बाद कर्मी आक्रोशित हैं। बुधवार को एक महिला ग्राहक ने विकासनगर सेक्टर-14 पावर हाउस पर बवाल मचाया था। उसने समस्या की शिकायत की तो उससे कर्मियों ने बिजली बिल डिटेल मांग ली थी। इसी पर गुस्साई महिला ने वहां पहुंचकर थप्पड़ मारे थे। उसके बाद आज, शुक्रवार को दर्जनों बिजलीकर्मियों ने स्थानीय पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। वे पावर हाउस से हाथों में 'न्याय दो' लिखी तख्तियां लेकर विकासनगर थाने पहुंचे।

वकील को दौड़ा-दौड़ाकर मारा

लखनऊ । लखनऊ में प्राइवेट हॉस्पिटल के करीब 30 बाउंसर-गार्डों ने वकील और उनके दो दोस्तों की जमकर पिटाई की। वकील को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। दोस्तों को जमीन पर गिराकर लाठी-डंडे और रॉड से मारा। वकील का सिर फट गया। दोस्त भी घायल हो गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। वकील ने मामले की पुलिस से शिकायत की।

'विद्युत सखियों का शानदार कार्य अरबों का कलेक्शन'

विद्युत सखियों को मिला 40.46 करोड़ रुपए का कमीशन

- विद्युत सखियों ने रु 3142 करोड़ विद्युत बिल कलेक्शन कर रु 40 करोड़ से अधिक का कमीशन अर्जित किया
- विद्युत सखियो ने किया रु 3142करोड़ से अधिक का विद्युत बिल कलेक्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन मे ग्रामीण महिलाओ के आजीविका संवर्धन, उन्हे आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी बनाये जाने की दिशा मे बहुत ही कारगर, ठोस व प्रभावी कदम उठाये गये हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूहो की महिलाओ के बेहतर भविष्य निर्माण हेतु सततरूप से प्रयासरत है और विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से महिलाओ की आमदनी मे बड़े पैमाने पर इजाफा हुआ है।

इसी कड़ी मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विद्युत सखी कार्यक्रम में नई उपलब्धियां हासिल की है। इस कार्यक्रम से जुड़े स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने योजना के प्रारंभ वर्ष 2020 से विद्युत सखियों ने विद्युत बिल वितरण कंपनियो (डिस्काम)के लिए रू 3142 करोड़ से अधिक का राजस्व कलेक्शन करने में सफलता पाई है।विद्युत सखियों ने विद्युत बिल कलेक्शन कर 40.46 करोड़ से अधिक का कमीशन अर्जित किया है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत सखियो द्वारा वर्ष 2025-26 मे अब तक रू 1298 करोड़ का कलेक्शन कलते हुये रू 16 करोड़ 22 लाख से अधिक का कमीशन अर्जित किया गया। वर्ष 2024-25 मे रू 1045 करोड का कलेक्शन करते हुये रू 13 करोड़ से अधिक का कमीशन अर्जित किया।

गांजा बेचने का विरोध किया तो नाली में डुबोया, मंदिर के पीछे 20 फीट गहरे गड्ढे में शव फेंका

पीट-पीटकर पुजारी की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ में मंदिर के पुजारी की हत्या कर दी गई। उनका शव मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में मिला। माथे पर चोट के निशान थे। गला घोंटा गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर छानबीन शुरू कर दी है। घटना दुबग्गा इलाके के आश्रयहीन कॉलोनी में 19 फरवरी की रात की है। पुजारी की पहचान 60 साल के कल्लू प्रजापति उर्फ कल्लू बाबा के रूप में हुई है। वह कॉलोनी के शीतला माता मंदिर में करीब 40 साल से रहकर पूजा-पाठ करते थे।

भाई पुत्तीलाल ने बताया- कल्लू बाबा का बगल में रहने वाली एक महिला और उसके भाई से लड़ाई चल रही थी। महिला गांजा बेचती थी। उसके दो भाई भी उसका साथ देते थे। 19 फरवरी की रात में इन लोगों ने मंदिर की लाइट बंद कर दी थी, जिसको लेकर कहासुनी हुई थी।

कल्लू बाबा नेवतनी, मोहन रोड, थाना हसनगंज, जिला उन्नाव के रहने वाले थे। उनके 2 भाई पुत्ती लाल और कमल बाबू हैं। एक भाई भोलाई की मौत हो चुकी है। जिस मंदिर में कल्लू बाबा रहते थे, उसे गुड्डू लोधी ने बनवाया है। वह गायों की सेवा भी करते हैं। मंदिर के बाहर नाली बनी है। परिजनों का आरोप है कि कल्लू बाबा को नाली में डूबो-डूबो कर मारा गया है।

मंदिर के बाहर नाली बनी है। परिजनों का आरोप है कि कल्लू बाबा को नाली में डूबो-डूबो कर मारा गया है।

> पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ में भी इस बात की पुष्टि हुई है। पुलिस इसी एंगल पर जांच कर रही है।

राहगीर ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी

S-2 आश्रयहीन कॉलोनी में शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे गोलू ने शीतला माता मंदिर के पास गड्ढे में कल्लू बाबा का शव देखा। उन्होंने इसकी कॉलोनी के लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। कल्लू बाबा के माथे पर किसी भारी चीज से वार किए जाने के निशान मिले। गला घोंटे जाने का भी निशान मिला।

परिजनों ने बताया कि कल्लू को आरोपियों ने मंदिर से निकाल कर सड़क पर पहले बेहरमी से पीटा। माथे पर भारी चीज से वार किया। फिर किसी चीज से गला घोंट दिया। उसके बाद नाली में डुबो दिया। जब कल्लू बाबा की मौत हो गई तो उनको मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में फेंक दिया।

यह नियम 100 बेड तक के सभी अस्पतालों में लागू होगा

निजी अस्पतालों को देना होगा नर्स को न्यूनतम 20 हजार वेतन

स्वास्थ्य महानिदेशक ने आदेश जारी किया

तमसा संकेत, संवाददाता

> सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि नर्स को निर्धारित न्यूनतम वेतन मिले, इसके लिए एक मॉनिटरिंग सेल बनाई जाएगी जो निजी अस्पतालों की जांच करेगी। पंजीकरण के वक्त अस्पतालों की ओर से नर्सिंग व अन्य स्टाफ का रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

लखनऊ। सीएमओ डॉ. एनवी सिंह का कहना है कि जिले के सभी निजी अस्पतालों को इस संबंध में ईमेल भेज दिया गया है। आदेश का सख्ती से पालन करने के लिए निर्देश भी दिए गए हैं। राजधानी में एक हजार से अधिक छोटे-बड़े निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं। इसमें 10 से 50 बेड के करीब 84, जबकि 51 से 100 बेड तक के करीब 30 अस्पताल हैं।

सीएमओ का कहना है कि नर्स को कम मानदेय देने के आरोप यदि जांच में सही मिले तो अस्पताल का लाइसेंस भी निरस्त किया जाएगा। इसके लिए सभी प्रमाण जरूरी होंगे जिससे न्यायालय के आदेश की अवहेलना का हवाला देकर लाइसेंस निरस्त करने में किसी तरह की कोई अड़चन न आए।

बहुत से निजी अस्पताल अपने यहां नर्स की भर्ती प्रशिक्षु (ट्रेनी) के तौर पर करते हैं, जिससे उन्हें वेतन देने की बाध्यता नहीं रहती। उन्हें मानदेय के नाम पर पांच से दस हजार रुपये का भुगतान किया जाता है। निजी अस्पतालों के संचालन में बड़े और पहुंच वाले लोग शामिल होते हैं। बहुत से मामलों में पंजीकरण निरस्त होने के बाद भी अस्पताल चलते रहे और सीएमओ भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सके। ऐसे अस्पतालों में मनमानी रोकना कठिन होगा। बहुत से निजी अस्पताल अपनी शर्तों पर नर्स को नौकरी देते हैं।

मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया

निजी अस्पतालों में नर्स को 10 से 12 हजार रुपये वेतन देकर 08 से 10 घंटे तक काम लिया जाता है। नर्सिंग स्टाफ को कम मानदेय या वेतन दिए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को आदेश दिया कि निजी अस्पतालों में नर्स को न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन दिलाने की व्यवस्था कराएं। कोर्ट के आदेश की कॉपी शासन के जरिये स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण के पास पहुंची तो उन्होंने सीएमओ लखनऊ को पत्र भेजकर इसका सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक, 10 से 100 बेड तक के सभी निजी अस्पतालों को अब न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन नर्स को देना होगा।

लखनऊ में बेकाबू कार ने 7 गाड़ियों को मारी टक्कर

लखनऊ । लखनऊ में तेज रफ्तार कार ने सात गाड़ियों में टक्कर मार दी। हादसे में डिलीवरी बॉय समेत तीन लोग घायल हो गए। ड्राइवर नशे की हालत में था और गलियों में तेजी से गाड़ी दौड़ा रहा था। घटना हसनगंज थाना क्षेत्र स्थित निराला नगर में शुक्रवार दोपहर को हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज कार अचानक बेकाबू हो गई और सबसे पहले एक डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी। इसके बाद किराना सामान ले जा रहे एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर लगी। इसी दौरान सड़क किनारे मौजूद एक महिला भी चपेट में आकर घायल हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास खड़ी कई अन्य गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने किसी तरह चालक को पकड़ कर पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में चालक के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है।

फर्जी फर्म बनाकर 37 लाख का जीएसटी चुराया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में फर्जी दस्तावेज के जरिये फर्म रजिस्टर कर करोड़ों का फर्जी लेनदेन और 37 लाख रुपए का GST चुराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 3 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी सहित चार अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि 3 नवंबर 2025 को भगवती चरण वर्मा ने महानगर का फर्जी पता दिखाते हुए M/S केएस इंटरप्राइजेज नाम से GST नंबर लिया था। फर्म के नाम पर करोड़ों की खरीद-बिक्री दिखाई गई थी। जांच में सामने आया कि दिए गए पते पर न तो कोई दफ्तर है, न ही फर्म का कोई अस्तित्व है। मकान मालिक ने भी इसे फर्जी बताया। विवेचना के दौरान पता चला कि दीपक नामक युवक ने साथियों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए फर्जी फर्म के जरिये करीब 4 करोड़ 70 लाख रुपए का लेनदेन किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का लाभ उठाकर सरकार को कुल 37,52,545 रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया। जांच में सामने आया कि लेनदेन की राशि में से करीब 15 लाख रुपए चार चेक के जरिये प्रशांत तिवारी को दिए गए, जिनका उपयोग उसने घरेलू कामों में किया। कैलाश मौर्या पर फर्जी मुहर तैयार कर बैंक खाते खुलवाने और GST चोरी में सहयोग का आरोप है।

- 3 आरोपी गिरफ्तार, कंपनी का 4.70 करोड़ रुपए का लेनदेन दिखाया था

सुविधा : एमकेआईटीएम ने युवाओं के लिए खोले पर्यटन-आतिथ्य में करियर के द्वार

एमकेआईटीएम और इग्नू की संयुक्त पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

- तीन सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश जारी
- शैक्षणिक सत्र 2026-27 (जनवरी) के लिए सीएफओ, सीएफबीओ, सीएचओ और पीजीडीएचओ में नामांकन का अवसर
- इग्नू के साथ ओडीएल कोर्स में नामांकन शुरू
- 10+2 से स्नातक तक के छात्रों के लिए मौका, एमकेआईटीएम-इग्नू के सर्टिफिकेट व पीजी डिप्लोमा कोर्स में ले सकते हैं दाखिला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) ने पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के सहयोग से ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड में तीन सर्टिफिकेट तथा एक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। यह पहल उन छात्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो लचीले अध्ययन विकल्प के साथ पर्यटन उद्योग में पेशेवर पहचान बनाना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'एमकेआईटीएम द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभदायक है, जो नियमित कक्षाओं में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं। एमकेआईटीएम छात्रों के लिए आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रहा है। इच्छुक छात्र हॉस्टल की निर्धारित फीस का भुगतान कर निवास तथा नियमित कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं।' एमकेआईटीएम और इग्नू द्वारा संचालित तीनों सर्टिफिकेट कोर्सों- सर्टिफिकेट इन फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन (सीएफओ), सर्टिफिकेट इन फूड एंड बेवरेज सर्विस ऑपरेशन (सीएफबीओ) और सर्टिफिकेट इन हाउसकीपिंग ऑपरेशन (सीएचओ) के लिए योग्यता 10+2 (बारहवीं) उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

'युवा कौशल से निखरेगा पर्यटन-आतिथ्य उद्योग'

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि एमकेआईटीएम द्वारा इग्नू के सहयोग से प्रारंभ किए गए ये ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग पाठ्यक्रम उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर हैं, जो लचीली अध्ययन व्यवस्था के साथ आतिथ्य और होटल उद्योग में पेशेवर पहचान बनाना चाहते हैं। वर्ष 2025 में हुए समझौते के तहत इच्छुक छात्र अब इग्नू द्वारा संचालित टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के कोर्स एमकेआईटीएम से भी कर सकते हैं। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक युवा कौशल प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और उत्तर प्रदेश को पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएं।'

- उत्तर प्रदेश को पर्यटन-आतिथ्य क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता- जयवीर सिंह

सात दिवसीय लघु खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ

मंत्री राकेश सचान ने किया होली पर खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ द्वारा होली के शुभ अवसर पर 20 से 26 फरवरी 2026 तक खादी भवन, डालीबाग परिसर में 7 दिवसीय लघु खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन विभागीय मंत्री राकेश सचान द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के पश्चात मंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ तथा अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर किया गया।

मंत्री राकेश सचान ने अपने संबोधन में कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों को जन-जन तक पहुंचाने और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 18 मंडलों में खादी प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें लगभग 1953 स्टॉलों के माध्यम से 3949.49 लाख रुपये की बिक्री हुई। इसके अतिरिक्त खादी महोत्सव-2025 में 160 से अधिक इकाइयों द्वारा 3.20 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष से 42 प्रतिशत अधिक रही। उन्होंने कहा कि खादी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना ही विभाग का उद्देश्य है। आधुनिक तकनीकों के साथ खादी उत्पादों को नई पहचान दी जा रही है, जिससे युवाओं में इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

- खादी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः राकेश सचान
- खादी प्रदर्शनी में 40 से अधिक स्टॉल, उद्यमियों को मिला बड़ा मंच
- खादी से स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा : राकेश सचान

76.11 प्रतिशत श्रमिकों का सत्यापन पूरा, शेष को शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश

मनरेगा जॉबकार्ड का ई-केवाईसी अनिवार्य

अभियान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जनपद में सक्रिय श्रमिकों के जॉबकार्ड का ई-केवाईसी कराने का अभियान चलाया जा रहा है। परियोजना अधिकारी डीआरडीए एवं जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि जॉबकार्ड नवीनीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार जनपद में अब तक कुल 76.11 प्रतिशत

सक्रिय श्रमिकों का ई-केवाईसी कराया जा चुका है। शेष श्रमिकों को भी जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। ई-केवाईसी के माध्यम से जॉबकार्ड धारकों का सत्यापन डिजिटल रूप से किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। परियोजना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में केवल वही श्रमिक मनरेगा के अंतर्गत कार्य करने के पात्र होंगे, जिनके जॉबकार्ड का ई-केवाईसी पूर्ण होगा। बिना ई-केवाईसी वाले श्रमिकों को कार्य आवंटन नहीं किया जाएगा।

जॉबकार्ड नवीनीकरण को नियमित प्रक्रिया बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष मॉनिटरिंग की जा रही है। उद्देश्य है कि भविष्य में जॉबकार्ड सत्यापन की प्रक्रिया लंबित न रहे और कार्य आवंटन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

फेस ऑथेंटिकेशन से दर्ज होगी उपस्थिति

शासन स्तर से मिली जानकारी के अनुसार शीघ्र ही मनरेगा श्रमिकों की उपस्थिति एनएमएम-एस के तहत फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से दर्ज की जाएगी। चेहरा प्रमाणीकरण आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू होने के बाद ई-केवा-ईसी अनिवार्य आधार बनेगा।

अधिकारियों ने बताया कि फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली लागू होने से कार्यस्थल पर उपस्थिति दर्ज करने में पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जी प्रविष्टियों पर रोक लगेगी। इसके लिए सभी सक्रिय श्रमिकों का आधार आधारित ई-केवाईसी होना आवश्यक है।

ग्राम पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे कैंप

ई-केवाईसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। सभी सक्रिय श्रमिकों से अपील की गई है कि वे अपने संबंधित ग्राम पंचायत के रोजगार सेवक, महिला मेट, ग्राम प्रधान, सचिव, एपीओ और बीडीओ से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ई-केवाईसी कराएं। अभियान के तहत पंचायत स्तर पर आवश्यक तकनीकी व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक श्रमिकों का सत्यापन कम समय में पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने ग्राम स्तर के कार्मिकों को भी निर्देशित किया है कि वे शेष श्रमिकों से व्यक्तिगत संपर्क कर प्रक्रिया पूर्ण कराएं।

> **जनपद के सभी सक्रिय श्रमिकों से कहा गया है कि वे बिना विलंब ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराएं। प्रशासन की ओर से अभियान को तेज करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।**

परियोजना अधिकारी ने बताया कि ई-केवा-ईसी पूर्ण होने से श्रमिकों को योजना के तहत मिलने वाले लाभ समय पर प्राप्त होंगे। साथ ही डिजिटल डाटा अपडेट रहने से भुगतान और उपस्थिति से जुड़ी प्रक्रियाएं भी सरल होंगी।

तेज आवाज में परीक्षा केंद्र के पास बज रहा डीजे सीज

हाईस्कूल परीक्षा के दौरान कार्रवाई, धारा 207 एमवी एक्ट में वाहन जब्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के पास तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। पं. रामअवध स्मारक इंटर कॉलेज, मसेना मिर्जापुर रामनगर के समीप खड़े वाहन पर रखे डीजे को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया। कार्रवाई 19 फरवरी 2026 को सुबह 10:20 बजे की गई।

पुलिस के अनुसार उ0नि0 बालमुकुंद यादव मय फोर्स क्षेत्र और परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि पं. रामअवध स्मारक इंटर कॉलेज, मसेना मिर्जापुर रामनगर में हाईस्कूल की परीक्षा चल रही है और विद्यालय के बगल में एक वाहन पर

तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है।

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने वाहन संख्या UP45BT4024 पर रखे डीजे (कई साउंड बॉक्स) को बंद कराने का प्रयास किया। बताया गया कि वाहन चालक को ध्वनि कम करने और डीजे बंद करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने निर्देशों का पालन नहीं किया। सीज किए गए वाहन को संतरी पहरे की निगरानी में सुरक्षार्थ थाना परिसर में खड़ा कराया गया है।

मौके पर पहुंचकर की गई कार्रवाई

सूचना मिलने पर उ0नि0 बालमुकुंद यादव तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने वाहन चालक प्रिंस यादव पुत्र राजाराम यादव निवासी पइतियापुर थाना जहांगीरगंज, जनपद अम्बेडकर-नगर को डीजे बंद करने के लिए निर्देशित किया। पुलिस के अनुसार बार-बार कहने के बावजूद डीजे संचालक ने आदेश नहीं माना। इसके बाद पुलिस ने वाहन संख्या UP45BT4024 समेत डीजे उपकरण को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के अंतर्गत सीज कर दिया। वाहन को वैध वैकल्पिक चालक की सहायता से थाना लाया गया।

फास्ट न्यूज

लक्ष्मीकांत बाजपेई बोले- चोटी खींचना महापाप

वाराणसी । काशी में भाजपा की महापाठशाला हुई। इसमें यूपी, उत्तराखंड और बिहार के 210 पदाधिकारियों को बुलाया गया। संगठन के बड़े पदाधिकारियों ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव जीतने के गुर सिखाए।

कॉपी-पेन के साथ ही पदाधिकारियों को प्रवेश दिया गया। सभी के मोबाइल जमा करा लिए गए। लेट पहुंचने पर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को एंट्री नहीं मिली।

गोरखपुर में रेलकर्मी की हत्या में पत्नी बरी

गोरखपुर । गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र के वजीराबाद कॉलोनी स्थित घर के अंदर रेलवे के सीनियर टेक्नीशियन अफरोज आलम की सोते समय हत्या कर दी गई थी। 24 मई 2023 की रात तलवार से गर्दन काटकर रेलकर्मी को मारा गया था। इस घटना में पुलिस ने रेलकर्मी की पत्नी शादिया और 3 युवकों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। करीब 33 माह बाद सिविल कोर्ट में इसका फैसला आया है। इस मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ADJ/FTC- II ने अपना फैसला दिया है। जिसके अनुसार, रेलकर्मी की पत्नी शादिया के खिलाफ हत्या का कोई साक्ष्य नहीं मिला।

आजाद पार्क में मधुमक्खियों का हमला

प्रयागराज । प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद पार्क के संग्रहालय के निकट मधुमक्खियों के झुंड ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं पर अचानक हमला कर दिया। डंक से 42 घायल छात्राओं को एसआरएन अस्पताल में और 10 चिलड्रेन हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। कुल 52 बच्चे घायल हैं। इनमें 10 छात्राओं की हालत नाजुक बनी हुई है। जिन्हें अधिक डंक लगे हैं। सभी को मेडिसिन इमरजेंसी वार्ड में रखा गया है।

अशरफपुर मझगवां में सैकड़ों पेड़ कटने पर मुकदमा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अशरफपुर मझगवां गांव में वन विभाग द्वारा लगाए गए सैकड़ों वृक्षों को अवैध रूप से काटे जाने का मामला सामने आया है। प्रकरण में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गांव निवासी विशाल कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री सहित संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजी थी। शिकायत में कहा गया कि डायनेमिक एकेडमी ऑफ साइंस स्कूल के बगल स्थित उनकी पैतृक भूमि पर पूर्वजों द्वारा आम समेत अन्य फलदार वृक्ष लगाए गए थे। बाद में ग्राम प्रधान के प्रस्ताव पर वन विभाग ने भी उक्त भूमि पर वृक्षारोपण कराया था।

शिकायतकर्ता के अनुसार समय के साथ वृक्ष बड़े हो चुके थे, लेकिन हाल ही में सभी पेड़ों को कटवा दिया गया। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने

> **वन विभाग की शिकायत पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज, जांच शुरू**

भूमि पर कब्जा करने की नीयत से पेड़ों की कटाई कराई। मामले की सूचना मिलने पर वन विभाग के क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट किया कि विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की पेड़ कटाई की अनुमति नहीं दी गई थी। न ही विभाग द्वारा वृक्षों की कटाई कराई गई है। वन क्षेत्राधिकारी स्नेह कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच के आधार पर स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

मुख्य आरक्षी राजेश कुमार यादव उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत

एसपी अभिजीत आर. शंकर व क्षेत्राधिकारी टांडा ने पदचिन्ह लगाकर दी बधाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस विभाग में पदोन्नति के क्रम में मुख्य आरक्षी राजेश कुमार यादव को उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर तथा क्षेत्राधिकारी टांडा की उपस्थिति में उन्हें पदचिन्ह लगाकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई।

पुलिस लाइन परिसर में आयोजित संक्षिप्त समारोह के दौरान पदोन्नति की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने राजेश कुमार यादव के कंधों पर उप निरीक्षक का बैज लगाते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

राजेश कुमार यादव लंबे समय से पुलिस विभाग में कार्यरत रहे हैं।

विभागीय अभिलेखों के अनुसार उन्होंने विभिन्न थानों में तैनाती के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासनिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। पदोन्नति प्रक्रिया निर्धारित नियमों और वरिष्ठता के आधार पर पूरी की गई।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं। उप निरीक्षक के रूप में कानून-व्यवस्था की निगरानी, विवेचना कार्य और क्षेत्रीय समन्वय की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आशा जताई कि नई भूमिका में वे अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विभागीय अनुशासन, पारदर्शिता और कार्यकु-शलता को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया।

कैंपा कोला डीलरशिप के नाम पर 5.98 लाख की ठगी

मुंबई स्थित बैंक खाते में कराई गई रकम ट्रांसफर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के विजयगांव निवासी व्यवसायी रणजीत सिंह से रिलायंस कैंपा कोला की डीलरशिप दिलाने के नाम पर 5.98 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने फोन और ईमेल के माध्यम से भरोसा जीतकर रकम मुंबई स्थित कोटक महिंद्रा बैंक की नरीमन पॉइंट शाखा के खाते में ट्रांसफर करा ली। पीड़ित की तहरीर पर साइबर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित के अनुसार 18 जनवरी को उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आकाश गुप्ता बताते हुए कैंपा कोला कंपनी का सेल्समैन बताया। उसने अंबेडकरनगर जिले की डीलरशिप देने का प्रस्ताव रखा और ईमेल आईडी मांगी।

20 जनवरी को मेल पर डीलरशिप से संबंधित दस्तावेज भेजे

गए। दस्तावेज देखने में वास्तविक प्रतीत हुए। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति अमित सिंह का फोन आया, जिसने खुद को कंपनी का अधिकारी बताया। उसने प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में 49,500 रुपये कोटक महिंद्रा बैंक, नरीमन पॉइंट, मुंबई के खाते में जमा करने को कहा। रणजीत सिंह ने नेफ्ट के माध्यम से रकम ट्रांसफर कर दी।

23 जनवरी को दोबारा संपर्क कर ऑर्डर जारी होने की बात कही गई और 50 प्रतिशत राशि के रूप में 3,24,850 रुपये जमा कराए गए। इसके बाद 28 जनवरी को 2.24 लाख रुपये सिक्योरिटी मनी के तौर पर ट्रांसफर कराए गए।

15 अप्रैल को अंतिम प्रकाशन, संभावित पंचायत चुनाव की तैयारियों को मिला जोर

पंचायत निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) द्वारा पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुपालन में तैयार इस कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। कार्यक्रम जारी होते ही जिले में संभावित पंचायत और जिला पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेष रूप से ग्रामीण अंचल और दूरस्थ क्षेत्रों में मतदाताओं को पुनरीक्षण प्रक्रिया और दावे-आपत्ति दर्ज कराने की जानकारी देने के लिए अभियान चलाया जाएगा। वृहद पुनरीक्षण के दौरान सुनिश्चित किया जाएगा कि सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहें। ताकि तय समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण कर सकें और मतदाता सूची में कोई त्रुटि या अधूरी प्रक्रिया न रहे। जिले में संभावित चुनाव के मद्देनजर प्रशासन ने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने और कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए तकनीकी और मानवीय संसाधनों का पूरा उपयोग किया जाएगा।

पूरक सूचियों का कम्प्यूटरीकरण

आगामी 21 फरवरी से 16 मार्च 2026 तक पूरक सूचियों का कम्प्यूटरी-करण किया जाएगा। इस चरण में मूल सूची में नए मतदाताओं का समावेशन, मतदान केंद्रों का निर्धारण और अन्य तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इसके बाद 17 मार्च से 13 अप्रैल तक मतदान केंद्रों का क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीएन आवंटन, सूची की डाउनलोडिंग और फोटो प्रतियां तैयार करने का कार्य पूरा किया जाएगा।

दावे और आपत्तियों का निस्तारण

जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि दावे और आपत्तियों के निस्तारण के बाद 7 जनवरी से 16 मार्च तक हस्तलिखित पांडुलिपियां तैयार कर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा की जाएंगी। इस दौरान संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन और निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 15 अप्रैल को किया जाएगा। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत एवं जिला पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा की संभावना मानी जा रही है।

होली पर परिवहन निगम अलर्ट, 24 फरवरी से 9 मार्च तक छुट्टियां निरस्त

दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज समेत प्रमुख रूटों पर बढ़े फेरे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। होली पर्व के मद्देनजर परिवहन निगम ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 24 फरवरी से 9 मार्च तक चालकों, परिचालकों और मैकेनिकों की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। अकबरपुर डिपो से संचालित बसों के फेरे बढ़ा दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी।

गुरुवार से दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, मऊ और सुलतानपुर रूट पर बसों की संख्या बढ़ाई गई है। लंबी दूरी की बसों को प्राथमिकता देते हुए अतिरिक्त ट्रिप निर्धारित किए गए हैं। यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने पर तत्काल अतिरिक्त बस संचालन की व्यवस्था की जाएगी। अकबरपुर डिपो से वर्तमान में 116 बसों का संचालन

होता है। होली के दौरान महानगरों से बड़ी संख्या में लोग घर लौटते हैं, जिससे बसों में दबाव बढ़ जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए संचालन योजना तैयार की गई है।

निगम ने नियमित संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहन योजना भी लागू की है। 11 दिनों तक नियमित 3,300 किलोमीटर बस संचालन करने वाले चालक और परिचालकों को 4,400 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इसी अवधि में 10 दिनों तक 3,000 किलोमीटर संचालन करने पर 3,500 रुपये विशेष प्रोत्साहन राशि मिलेगी। यह लाभ नियमित कर्मचारियों के साथ संविदा पर कार्यरत चालक-परिचालकों को भी दिया जाएगा। कार्यशाला में तैनात मैकेनिकों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। 11 दिन लगातार ड्यूटी करने पर 1,800 रुपये और 10 दिन नियमित ड्यूटी करने पर 1,500 रुपये प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। उद्देश्य है कि बसों की तकनीकी स्थिति बेहतर बनी रहे और संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। होली पर्व के कारण दिल्ली, पंजाब, कोलकाता समेत अन्य महानगरों से बड़ी संख्या में प्रवासी घर लौट रहे हैं। इन दिनों बस अड्डों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

अंबेडकरनगर में 28 फरवरी को होगा वृहद रोजगार मेला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद के बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए 28 फरवरी 2026 को एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला पूर्वाह्न 10:00 बजे से देव इन्द्रावती पीजी कॉलेज, कटहरी परिसर में आयोजित होगा। आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय, अंबेडकरनगर द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की विशेष योजना 'मिशन रोजगार' के अंतर्गत किया जा रहा है।

जिला सेवायोजन अधिकारी के अनुसार रोजगार मेले में देश और प्रदेश की 50 से अधिक प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। कंपनियां अभ्यर्थियों की योग्यता के अनुरूप विभिन्न पदों पर चयन प्रक्रिया संचालित करेंगी। मेले में पुरुष और महिला दोनों अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान किया जाएगा।

कंपनियों द्वारा तकनीकी, गैर-तकनीकी, सेल्स, मार्केटिंग, सुरक्षा,

> **देव इन्द्रावती पीजी कॉलेज कटहरी में सुबह 10 बजे से आयोजन, 50 से अधिक कंपनियां होंगी शामिल**

सुपरवाइजरी और अन्य श्रेणियों के पदों के लिए चयन किया जा सकता है। अंतिम चयन संबंधित कंपनियों की चयन प्रक्रिया के आधार पर होगा। रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। पात्रता के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

अनियमितता : रामपुर सकरवारी विद्यालय में 26 दिसंबर 2025 से नहीं बना मध्याह्न भोजन

एमडीएम में गड़बड़ी पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर शिक्षाखंड स्थित कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर सकरवारी में मिड-डे मील योजना में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका हेमलता को निलंबित कर दिया गया है। कार्रवाई जांच समिति की आख्या के आधार पर की गई। विद्यालय में मध्याह्न भोजन न बनने की शिकायत राजेंद्र भारती द्वारा की गई थी। शिकायत के बाद गठित जांच टीम ने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमडीएम पंजिका अपूर्ण पाई गई। अभिलेखों के अनुसार 26 दिसंबर 2025 के बाद से विद्यालय में मध्याह्न भोजन नहीं बनाया गया था।

जांच टीम ने मौके पर उपलब्ध खाद्यान्न की भी जांच की। विद्यालय में 7 क्विंटल खाद्यान्न मौजूद मिला,

जिसमें 4 क्विंटल चावल और 3 क्विंटल गेहूं शामिल था। खाद्यान्न खुले स्थान पर बिना किसी सुरक्षित भंडारण व्यवस्था के रखा गया था। निरीक्षण में उसमें कीड़े लगे पाए गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने बताया कि जांच समिति की आख्या में प्रभारी प्रधानाध्यापिका प्रथम दृष्टया दोषी पाई गई हैं।

खाद्यान्न भंडारण में लापरवाही

जांच रिपोर्ट के अनुसार खाद्यान्न का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। सुरक्षित भंडारण के अभाव में खाद्यान्न की गुणवत्ता प्रभावित हुई। इसे प्रशासनिक लापरवाही माना गया। मौके पर उपस्थित प्रभारी प्रधानाध्यापिका हेमलता ने एमडीएम न बनने का कारण ग्राम प्रधान द्वारा कन्वर्जन कॉस्ट की धनराशि न निकाले जाने को बताया। दूसरी ओर ग्राम प्रधान पति राजेंद्र भारती ने बयान दिया कि ग्राम प्रधान द्वारा कई बार एमडीएम रजिस्टर पूर्ण कर प्रस्तुत करने को कहा गया था, लेकिन रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया गया।

अभिलेख प्रस्तुत न करने पर बढ़ी कार्रवाई

जांच के दौरान प्रधानाध्यापिका को विद्यालय प्रबंध समिति खाता एवं एमडीएम खाता में प्रेषित धनराशि के सापेक्ष पिछले पांच वर्षों में आहरित धनराशि के बिल वाउचर, कैशबुक, संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त स्टॉक पंजिका, एमडीएम पासबुक और बैंक स्टेटमेंट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयावधि में संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए। अधिकारियों के अनुसार अभिलेख प्रस्तुत न करना उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना माना गया। इसे प्रशासनिक आदेशों के अनुपालन में शिथिलता और कार्यप्रणाली में अनियमितता के रूप में दर्ज किया गया।

जिले में 22 फरवरी को मेगा विधिक साक्षरता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में 22 फरवरी 2026 को लोहिया भवन परिसर, अकबरपुर में आयोजित होने वाले वृहद विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शैलेश कुमार मौर्य ने की। इसमें जनपद के सभी पराविधिक स्वयंसेवक शामिल हुए। बैठक में मेगा शिविर की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव ने निर्देश दिया कि सभी पराविधिक स्वयंसेवक 22 फरवरी को निर्धारित समय पर लोहिया भवन पहुंचकर शिविर में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। शिविर में आने वाले आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श तथा अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश

> **राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च की तैयारी को लेकर पराविधिक स्वयंसेवकों की बैठक**

दिए गए। बैठक में 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता पर भी चर्चा हुई। पराविधिक स्वयंसेवकों को निर्देशित किया गया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों सहित जनपद के विभिन्न हिस्सों में व्यापक प्रचार-प्रसार करें। लोगों को लोक अदालत के माध्यम से त्वरित और सुलह-समझौते के आधार पर वादों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए।

सम्पादकीय

सिविल सेवा परीक्षा में सही सुधार

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रशंसा की जानी चाहिए कि इस संस्था में समय के अनुसार लगातार सुधार और समीक्षा की प्रक्रिया जारी रहती है। 2026 में होने वाली सिविल सेवा परीक्षा में सुधार के कुछ कदम स्वागतयोग्य हैं। इनके अनुसार परीक्षा में अंतिम रूप से सफल होने पर यदि किसी उम्मीदवार को ग्रुप ए की कोई सेवा मिल जाती है, तो उसके बाद उसे आइएएस, आइएफएस जैसी अखिल भारतीय सेवाओं में जाने के लिए केवल एक अवसर और मिलेगा। उसके बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। यदि वह अपने विभाग से प्रसन्न नहीं है, तो त्यागपत्र देकर फिर से परीक्षा दे सकता है। आइएएस और आइएफएस में एक बार चुने जाने के बाद फिर से परीक्षा में बैठने की इजाजत पहले की तरह अभी भी नहीं होगी। वैसे यहां लोकतांत्रिक ढंग से एक गुंजाइश छोड़ी गई है। लगभग 23 विभागों में पांच विभाग जैसे अगर दिल्ली में दानिक्स या पुडुचेरी पुलिस आदि में ग्रुप बी की सेवा मिलती है तब जरूर उसे एक से ज्यादा अवसर मिल सकते हैं। इस एक सुधार से कई स्तरों पर फायदा होगा। सबसे पहले नए उम्मीदवारों के लिए ज्यादा पद खाली मिलेंगे, वरना पहले से सफल उम्मीदवार बार-बार उन्हीं पदों पर चुने जाते रहे हैं। एक बार चुने जाने वालों के लिए भी एक और अवसर देने से वे लगातार 30-35 वर्ष तक परीक्षा में शामिल होने के लोभ से बच जाएंगे। सभी सेवाओं के वेतनमान और सुविधाएं लगभग बराबर ही होती हैं। पहले इन विभागों को उम्मीदवार तो आवंटित हो जाते थे, लेकिन उनमें से कितने ज्वाइन करेंगे, कोई पता नहीं होता था। कुछ फिर से परीक्षा में बैठने के लिए लगातार दो-चार वर्षों तक कई बहाने जैसे मेडिकल, मां की बीमारी आदि बताकर कोशिश करते रहते थे। इससे उनकी वरिष्ठता और प्रशिक्षण की समस्याएं पैदा होती थीं। नतीजतन प्रशासनिक क्षमता में लगातार गिरावट आ रही थी। अब सभी विभाग बेहतर ढंग से काम कर पाएंगे। इससे सभी विभागों की ट्रेनिंग और क्षमता भी बेहतर होगी। इस सुधार के सामाजिक परिणाम भी अच्छे आएंगे। जब जाति विशेष के कारण किसी उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनंत छूट रहती है, तब तक उसके अंदर बार-बार परीक्षा देने की भूख भी कायम रहती है, लेकिन प्रश्न है कि कितने उम्मीदवारों के लिए यह संभव है? क्या यह दुनिया की सबसे बड़ी नौजवान पीढ़ी की क्षमता और ऊर्जा की बर्बादी नहीं है? क्या यह सामाजिक-जातीय विभाजन की तरह सेवाओं में भी कमतर और बेहतर की भावना पैदा नहीं करता? उनके अभिभावक भी लगातार चिंता में डूबे रहते हैं कि उनकी परीक्षा के चक्र कब खत्म होंगे? देश को इन सबसे मुक्ति चाहिए। मौजूदा सुधार का दूसरा पक्ष भी महत्वपूर्ण है और वह है राज्यवार कैडर में उम्मीदवारों का वितरण। नौकरशाही के स्टील फ्रेम में आइएएस सबसे मजबूत आधार होता है। जिस राज्य के लिए उनका आवंटन होता है, वे उस राज्य में ही रहते हैं या फिर केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आते हैं, लेकिन उस राज्य में बने रहने के कुछ दुष्परिणाम अतीत में अनुभव किए गए। जैसे जब पंजाब में आतंकियों ने कहर बरपा रखा था, तब अहसास हुआ कि वहां नियुक्त कुछ अधिकारियों और समाज विरोधी तत्वों के बीच मिलीभगत हो गई थी। इसलिए बाद में यह फैसला किया गया कि किसी भी राज्य में वहां के रहने वाले उम्मीदवारों के एक तिहाई से ज्यादा नहीं तैनात होंगे और दो तिहाई उम्मीदवार दूसरे राज्यों के होंगे। देश की एकता में इसके बहुत अच्छे परिणाम आए। यदि ऐसे उम्मीदवार किसी अन्य राज्य में तैनात होते हैं, तो भाई-भतीजावाद जैसे भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी कम रहती है। अब इसी में एक कदम और बढ़ाकर इसे और पारदर्शी ढंग से किया गया है। इससे उम्मीदवारों में यह अहसास और पुख्ता होगा कि पूरा देश आपका है और आपको कहीं भी नियुक्ति दी जा सकती है। हालांकि सरकार नए नियमों को कितनी दृढ़ता से लागू करती है, यह एक सवाल है। पुराने अनुभवों पर नजर डालें तो 1986 में भी इससे कुछ मिलते-जुलते कदम उठाए गए थे। तब परीक्षा देने के प्रयासों पर ऐसी ही रोक लगाई गई थी, लेकिन इसके खिलाफ दशकों तक हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में मुकदमेबाजी हुई। झूठ-सच के आधार पर उम्मीदवारों ने छुट्टी ली और फिर से वर्षों तक परीक्षाएं दीं। इसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक ढांचा और उसकी कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ा। अफसरों के बीच जो परस्पर सहयोग की भावना होनी चाहिए, उसके बदले उनमें ईर्ष्या पनपने लगी। जब सभी सेवाओं की लगभग 99 प्रतिशत सुविधाएं बराबर हैं तो इनकम टैक्स में काम करने वाला रेलवे में काम करने वाले को कमतर क्यों समझता है? अपने देश में आइएएस या आइपीएस का नशा तो सातवें आसमान पर रहता है। यह भारतीय समाज का दुर्भाग्य है कि वह जन्म से ही बराबरी नहीं सिखाता।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

प्रोफेशनल्स का भविष्य और ए आई का युग

कैंसर और हृदय रोग की पहचान में आई उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। इसके बावजूद हम यह कभी नहीं मान सकते कि ए आई हमसे अधिक बुद्धिमान है। यस बात मै इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ए आई की खोज हमने की है। हमारी खोज ए आई ने नहीं की है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी ए आई आज केवल एक तकनीकी शब्द नहीं बल्कि सामाजिक विमर्श का केंद्र बन चुका है। मोबाइल फोन में मौजूद चैट बाट से लेकर अस्पतालों की रोबोटिक सर्जरी और अदालतों में डिजिटल शोध प्रणाली तक ए आई तेजी से हमारे पेशागत जीवन को प्रभावित कर रही है। ऐसे में इस प्रश्न का उठना स्वाभाविक है कि क्या आने वाले समय में ए आई वकीलों, डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंट्स जैसे पारंपरिक बौद्धिक पेशो को अप्रसांगिक बना देगा। वैसे भी इस समय भारत में बेरोजगारों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। नौकरियां मिल नहीं रही है जिनके पास नौकरियां है वहां भी छटनी हो रही है। आगे क्या होगा कहां नहीं जा सकता। क्योंकि तकनीक की मेरिट और डिमैरिट दोनों होती है। ऐसे में ओपन ए आई के सीईओ सैम आल्टमैन की बात बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण लगती है उनका कहना है कि ए आई का नियंत्रण अगर किसी एक कंपनी या देश के हाथ में रहा तो यह दुनिया को बर्बादी की ओर ले जा सकता है। उनका कहना था कि ए आई भविष्य में ऐसे शक्तिशाली बायो मॉडल बना सकता है जिससे नए वाइरस या बैक्टीरिया तैयार किया जा सकते हैं। यदि ऐसे मॉडल ओपन सोर्स रूप में उपलब्ध हुए तो गलत इरादे वाले लोग उनका दुरुपयोग कर सकते हैं। उनका कहना था कि ऐसे में यह जरूरी है कि ए आई की भी निगरानी ऐटोमिट जैसी व्यवस्था के तौर पर हो। इसी तरह की बात गूगल deepmind के सीईओ डेमिस हसाविस भी कहीं और बताया कि भारत वैश्विक ए आई पावर का केंद्र बन सकता है उनका कहना था कि आने वाला समय मानव इतिहास में असाधारण बदलाव लेकर आएगा। लेकिन यह बदलाव तब गंभीर हो सकता है जब इसकी सुरक्षा और निगरानी के प्रति लापरवाही बरती गई। वैसे यह सही है कि ए आई स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी

परिवर्तन ला रहा है मशीन लर्निंग एल्गोरिस एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई की रिपोर्ट का विश्लेषण अत्यंत सटीकता से कर रहा है। कैंसर और हृदय रोग की पहचान में आई उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। इसके बावजूद हम यह कभी नहीं मान सकते कि ए आई हमसे अधिक बुद्धिमान है। यस बात मै इसलिए कह रहा हूं क्योंकि ए आई की खोज हमने की है। हमारी खोज ए आई ने नहीं की है। यहां हमको यह समझना होगा कि इंसान की बुद्धि शरीर और अनुभव से जुड़ी होती है हम बचपन में छूकर, चलकर देखकर और दूसरों की नकल करके सीखते हैं हमारी भावनाएं, अनुभव और समाज मिलकर हमारी सोच बनाते हैं। लेकिन ए आई के पास न शरीर है और ना असली अनुभव। वह सिर्फ बड़े डेटा से शब्दों के पैटर्न सीखता है। वह इंसानों की तरह समझता नहीं बस गणना करता है उसे डर, खुशी या सहानुभूति महसूस नहीं होती वह समाज में रहकर नियम नहीं सिखाता बल्कि डेटा के आधार पर विश्लेषण करता है। इसलिए हमने कहा कि ए आई हमारे जितना बुद्धिमान नहीं है। इसलिए मैं कह सकता हूं कि रोगी डॉक्टर के पास केवल रिपोर्ट के लिए नहीं जाता क्योंकि रिपोर्ट तो उसे मिल ही जाती है वह डॉक्टर के पास भरोसे के लिए जाता है। उसका भय उसकी आशंका, उसका मानसिक तनाव इन सब का उपचार ए आई नहीं कर सकता। मशीन नहीं कर सकती बल्कि एक डॉक्टर ही कर सकता है। डॉक्टर ही उसे भरोसा दिला सकता है कि वह ठीक हो जाएगा चिंता की जरूरत नहीं। थोड़ी सी दिक्कत है जो जल्द ही ठीक हो जाएगी। यहां यह भी बताना आवश्यक है की खास तौर से ग्रामीण भारत में डॉक्टर सामाजिक मार्गदर्शक भी होता है। कई बार डॉक्टर रोगी की आर्थिक स्थिति के अनुसार निर्णय करते हैं इलाज करते हैं और रोगी को ठीक करते हैं यह निर्णय ए आई नहीं कर सकता है। हां रोग की पहचान करने में वह सहायता कर सकता है लेकिन जीवन मृत्यु के नैतिक निर्णय की अंतिम जिम्मेदारी चिकित्सक की ही रहेगी। इसी तरह ए आई आधारित सॉफ्टवेयर अब हजारों न्यायिक निर्णय का विश्लेषण कर सकते हैं। वे एक मिनट में अवश्यक और उपयोगी धाराएं खोज लेते हैं। कानूनी दस्तावेजों का प्रारूप तैयार कर देते हैं। इतना ही नहीं कुछ मामलों में तो वह मुकदमे के संभावित परिणामों का भी अनुमान प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे कानूनी शोध की प्रक्रिया अत्यंत तेज हो सकती है इससे जूनियर वकीलों का पारस्परिक रिसर्च कार्य प्रभावित हो सकता है। लेकिन इसी के साथ हमें यह भी समझना होगा कि न्यायालय केवल तथ्यों और उदाहरण का गणित नहीं है क्योंकि प्रत्येक मुकदमे के पीछे सामाजिक संदर्भ मानवीय पीड़ा तथा नैतिक आयाम होते हैं। एक वकील की भूमिका केवल धाराएं पढ़ना नहीं बल्कि उन्हें परिस्थितियों के अनुरूप अदालत के समक्ष प्रस्तुत करना भी होता है। अदालत में प्रस्तुत तर्क भावनात्मक अपील न्यायाधीश की प्रवृत्ति का आकलन और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा यह सभी मानवीय क्षमताएं हैं। ए आई मिसाल खोज सकता है उदाहरण दे सकता है लेकिन न्याय की आत्मा को नहीं समझ सकता। इसलिए ज्यो ज्यो ए आई की भूमिका बढ़ेगी त्यो त्यो वकील की भूमिका शोधकर्ता से अधिक रणनीतिकार की होगी। ऐसे में अगर मैं यह कहूं की तकनीक साधन तो है लेकिन सत्य नहीं है तो गलत नहीं होगा। क्योंकि तकनीक कितनी भी बड़ी क्यों ना हो उसका संचालक मानव ही रहेगा। ऐसे में यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि मानव बुद्धि और कृत्रिम बुद्धि का समन्वय ही भविष्य की वास्तविक शक्ति होगी। लेकिन इसके लिए आवश्यक है अपने को समय के अनुरुप तैयार करना। क्योंकि यह समय भय का नहीं आत्म मंथन और कौशल विकास का है। आने वाला युग उसी का होगा जो यह कह सकेगा कि मैं तकनीक से प्रतिस्पर्धा नहीं करता मैं उसे समाज के हित में दिशा देता हूं। ए आई के बढ़ते कदम अगर एक तरफ नौकरियों पर संकट लायेगा तो दूसरी तरफ नई संभावनाएं भी तैयार होगी। नए रास्ते भी निकलेंगे तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ए आई मानव इतिहास का ट्रांसपोर्टेशन है भारत को इसमें भय नहीं बल्कि भाग्य और भविष्य देखा है।

वर्षों से इसे समाप्त... — राजेश कुमार पासी

मोहन भागवत के बयान पर इतना बवाल क्यों

मोहन भागवत के एक बयान पर बवाल मचा हुआ है जबकि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा जिसको लेकर इतना बवाल किया जा रहा है। मंगलवार को मोहन भागवत ने लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कई मुद्दों पर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की जड़े भी इसी भूमि से जुड़ी हुई हैं। मुस्लिम यहीं के पूर्वजों की संतान हैं, इसलिए समाज को बांटने की जगह जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम हैं, ईसाई हैं लेकिन अरब या तुर्क नहीं हैं और न ही यूरोपियन हैं। हम भारत के हैं, हमारे पूर्वज भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि ये बात जब उनका नेतृत्व करेगा, तब सब ठीक हो जाएगा। हिन्दू समाज आतुरता के साथ इसकी राह देख रहा है। उन्होंने कहा कि यहां सब हिन्दू हैं. हमें उनकी घरवापसी करवानी है। उन्होंने घरवापसी का जिक्र करते हुए कहा कि यह कोई तात्कालिक प्रक्रिया नहीं बल्कि सामाजिक संवाद और समझ के जरिये धीरे-धीरे होने वाला कार्य है। जनसंख्या के मुद्दे पर भागवत ने कहा कि हिन्दू समाज में घटती जन्मदर चिंता का विषय है और उनका मानना है कि एक परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए ताकि संतुलन बना रहे। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें विवाह के बाद परिवार

के विस्तार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में संवाद और सहयोग दोनों ओर से होना चाहिए। उन्होंने जाति व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि समाज को जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर सोचना चाहिए। वर्षों से इसे समाप्त करने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन यह प्रवृत्ति अभी भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मुगल और अंग्रेजी शासन की लंबी अवधि के बावजूद भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा मजबूत बनी रही, इसलिए आज भी समाज को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने किसी किस्म की हिंसा की बात नहीं की और न ही कहा कि देश के सभी मुसलमानों को जबरदस्ती हिन्दू बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सब कुछ संवाद से किया जाएगा। घरवापसी की बात करना इतना उत्तेजक कैसे हो गया कि देश का पूरा मुस्लिम समुदाय उबल पड़ा, ये समझना मुश्किल हो रहा है। संघ प्रमुख भागवत के बयान की प्रतिक्रिया में जो बयान आएं हैं, बेहद चिंताजनक हैं। मोहन भागवत के बयान पर पूरे देश में घमासान मच गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भागवत के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिन्द शुरू से ही ऐसी साम्प्रदायिक और नफरत फैलाने वाली सोच की विरोधी रही है। जब तक यह जिंदा रहेगी, इसका विरोध करती रहेगी। सवाल यह है कि क्या मदनी यह मानने को तैयार हैं कि हिंदुओं को मुस्लिम बनाना गलत है, ये शबाब का काम नहीं है। मुस्लिम तो मानते हैं कि अगर वो किसी हिन्दू को मुस्लिम बना देते हैं तो अल्लाह उन्हें जन्नत नसीब करता है। जब धर्मपरिवर्तन की मुहिम में जुटे मुस्लिमों से कहा जाता है कि वो ये काम क्यों करते हैं तो उनका यही कहना होता है कि उनका धर्म उन्हें ये काम करने के लिए कहता है। घर वापसी तो धर्मपरिवर्तन करके हिन्दू से मुस्लिम बने लोगों को वापस अपने धर्म में लाने का काम है। अगर ये साम्प्रदायिक और नफरत फैलाने वाला काम है तो ये काम तो मुस्लिम पिछले एक हज़ार सालों से करते आ रहे हैं। जब अरबों ने इस देश पर हमला शुरू किया तो इस देश में कोई मुस्लिम नहीं था। अगर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की मुस्लिम आबादी को गिना जाए तो ये संख्या लगभग 80 करोड़ बनती है। क्या मदनी इसे झुठला सकते हैं कि इन सभी लोगों के पूर्वज हिन्दू नहीं थे। भारतीय उपमहाद्वीप के मुस्लिम कुछ भी कहें, लेकिन सच तो यह है कि अरब इस क्षेत्र के मुस्लिमों को मुस्लिम नहीं मानते हैं। वो इन्हें कनवर्टेड हिन्दू कहते हैं। जहां इस्लाम पैदा हुआ, वो ये सच जानते हैं लेकिन भारतीय मुस्लिम सच को स्वीकार नहीं करना चाहते। मदनी ने आगे कहा कि जो 70 साल में कहने वाले पैदा नहीं हुए, वो बातें आज कही जा रही हैं कि 20 करोड़ मुस्लिमों और 6 करोड़ ईसाईयों की घरवापसी की जाएगी।

डिग्री कॉलेज एवं... — विकास सिंह ठाकुर

यूपी में शिक्षकों के लिए भी लागू हो ड्रेसिंग कोड

देश में चंडीगढ़,मध्य प्रदेश,राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में शिक्षकों में भी लागू हुआ ड्रेसिंग कोड एक समान वर्दी में दिखाई देते हैं शिक्षक उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के लिए तमाम सारी योजनाएं लागू हुई व कई निर्णय शिक्षकों के हित में भी दिए गए हालांकि कुछ निर्णय से शिक्षक संतुष्ट दिखे तथा कुछ से असंतुष्ट परंतु उत्तर प्रदेश में अभी तक शिक्षकों के लिए ड्रेसिंग कोड का नियम लागू नहीं किया है जबकि इन अध्यापकों के लिए भी वर्दी का प्रबंध होना चाहिए। जबकि देश के कई राज्यों जिसमें चंडीगढ़,मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश,महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान समेत कई राज्य एवं दो केंद्र शासित राज्य अपने उच्च, माध्यमिक तथा बेसिक शिक्षकों के लिए अनिवार्य ड्रेसिंग कोड लागू कर चुके हैं। प्राइवेट हो या सरकारी कर्मचारी उनके लिए एक ड्रेसिंग कोड की अनिवार्यता होनी चाहिए, हालांकि कई संस्थान तथा कई सरकारी संस्थाओं में एक विशेष ड्रेस यानि वर्दी का प्रयोग करते हैं केंद्र में आर्मी,एयरफोर्स, नेवी सहित प्रदेशों में पुलिस, डॉक्टर,वकील समेत कई विभागों में अपना एक ड्रेसिंग कोड निश्चित है परंतु सभी के मार्गदर्शक एवं गुरु कहे जाने वाले अध्यापकों अथवा शिक्षकों के लिए भी अब विशेष वर्दी की व्यवस्था होनी चाहिए जहां डिग्री कॉलेज एवं माध्यमिक विद्यालयों तथा बेसिक विद्यालयों के टीचर मनमाने रंग एवं ढंग के कपड़े जिसमें जींस शर्ट,कुर्ता पजामा सहित कई रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर विद्यालय आते हैं हालांकि बच्चों के लिए तो विद्यालयों में ड्रेसिंग कोड निश्चित है परंतु उनका ज्ञान देने वाले अधिकतर शिक्षक अपने आप से इस नियम का पालन नहीं करते हैं क्योंकि अनिवार्य रूप से कोई भी ड्रेस अथवा वर्दी उनके लिए निर्धारित नहीं हुई है इस क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार को भी आगे आकर तथा शिक्षा मंत्री को भी इस विषय में संज्ञान लेते हुए शिक्षकों के लिए भी ड्रेस की व्यवस्था लागू करना चाहिए

जरा हटके

कहीं कोई अपने... — अशोक भाटिया

बेटो को रास नहीं आ रहे है बूढ़े माँ-बाप

कुछ दिनों से वाट्स अप पर एक लघु कथा वाइरल हो रही है जिसका संक्षिप्त यह है कि एक बेटा माँ को घूमाने के बहाने से ले जाकर एक वृद्धाश्रम में छोड़ देता है। जब बेटा वहाँ से वापस जाने लगता है तो माँ उसे बुला कर कहती है कि तुमने मुझे घूमाने के बहाने से लाकर वृद्धाश्रम में छोड़ दिया इस बात का गम नहीं है मैं तो तुम्हें केवल एक बात कहना चाहती हूँ कि मैंने तेरा जन्म के पूर्व पाँच लड़कियों की भ्रण हत्या कारवाई थी तब तुमको जन्मा था। आज शायद उसी पाप की सज़ा मुझे मिल रही है। तो ऐसे तो कई किस्से सुनने को या देखने को मिलते है कि लोग अपने माता – पिता को वृद्धावस्था के समय वृद्धाश्रम में छोड़ देते है, पर हाल ही एक ऐसे कलयुगी बेटे का समाचार मिला है जिसने अपनी माँ को वृद्धाश्रम के बजाय मुंबई की सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया। कुछ समय पूर्व की घटना है दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे अस्पताल के पास सड़क पर दिलीप नामक एक युवक अपनी 85 वर्षीय माँ हंसा राजपूत को छोड़ कर भाग गया। लगातार बारिश होने के कारण माँ हंसा बीमार हो गई थीं और सड़क पर बैठी रो रही थीं। किसी भले आदमी ने उसे पास के अस्पताल में भरती करा दिया। अब भी माँ 15 दिन से अस्पताल में अपने बेटे को बार – बार पुकारती इस माँ को भले ही बेटे ने चलती कार से धकेल दिया फिर भी इस माँ की आँखें हर दिन अपने बेटे के आने की रह तक रही है। उदाहरण और घटनाए और भी है। एक बूढ़ी मां को दिल्ली के एक गुरुद्वारे में इसलिए शरण लेनी पड़ी क्योंकि उस बूढ़ी मां को उसके अपने बेटे ने जंगल में छोड़ दिया। बेटे ने अपनी मां को हरिद्वार ले जाने के बहाने घर से अपने साथ लिया और मोदीनगर के पास जंगल में उसे अकेला छोड़कर चला गया। इस वृध्दा को न तो ठीक से दिखाई देता है और न ही उसके पास घर का पूरा पता वगैरह है कि वह किसी के सहारे अपने घर लौट सके। किसी ने उसे भटकते हुए पाया तो गुरुद्वारे तक पहुंचाया। आज जो सामाजिक सोच में परिवर्तन आ रहा है तथा

मानव मूल्यों का जो क्षरण हो रहा है, नैतिकता का नामोनिशां मिटने की ओर है, इसका इससे प्रबल कोई उदाहरण और क्या मिलेगा? जिन बच्चों को पाल-पोष कर बड़ा करने के लिए माता-पिता अपना पेट काटकर एक-एक पैसा जोड़ते हैं। अपना मन मसोसकर, अपनी अति आवश्यक जरूरतों को भी दरकिनार कर बच्चों की पढ़ाई के लिए या उनको रोजगार दिलाने के लिए, उनका काम धंधा जमाने के लिए मां-बाप क्या नहीं करते, उन्हीं मां-बाप के साथ आज उन्हीं की जायी संतानें ऐसा बर्ताव करती हैं कि बेशर्मी भी शर्मा जाए। कहीं कोई अपने मां-बाप पर हाथ उठा रहा है तो कोई उन्हें दो वक्त की रोटी देने से मुंह मोड़ रहा है। कहीं कोई उन्हें घर से बेदखल कर फुटपाथ पर जीवन बसर करने को मजबूर कर रहा है तो कोई अपने माता-पिता को इसलिए वृध्दाश्रम छोड़कर आ रहा है क्योंकि उनकी छोटी-छोटी बातें, उनका स्वभाव, उनका रहन-सहन परिवार के अन्य सदस्यों को, मसलन, पुत्र-पुत्र-वधू, पोता-पोती को रास नहीं आ रहा। आज व्यक्ति अपनी सुख सुविधाएं जुटाने में इतना मशगूल है कि उसकी रात की नींद और दिन का चैन गायब है। प्रतिस्पर्धा में वह सबसे आगे रहना चाहता है। हर व्यक्ति को, उसके परिवार को वह सब कुछ चाहिए, जो दूसरों के पास है। जो इतना जुटा चुके हैं, वे गुलछर्रे उड़ा रहे हैं, अय्यासी कर रहे हैं, मौजमस्ती में लुटा रहे हैं। जिनके पास लुटाने के लिए नहीं है, वे जुटाने में लगे हैं। इन प्रयासों में माता-पिता की घर में उपस्थिति बाधक बनती है। आदमी को लगता है कि मां-बाप के कारण वह काफी बंधा हुआ है। पति पत्नी और बच्चों की स्वच्छंदता में वे बूढे माता-पिता कहीं रोड़े बन रहे हैं। घर में आते-जाते उनका टोकना उन्हें नहीं भाता। अनेक घरों में बूढे लोग जिंदा लाश के समान हैं। मर तो सकते नहीं, क्योंकि मरना भी आसान नहीं है, जिंदा केवल शरीर है। मन मर चुका है, भावनाएं दबी पड़ी हैं, ममता मरने को मजबूर है, स्नेह सूख रहा है। बूढ़े लोगों की उपयोगिता घर की रखवाली तक सीमित रह गई है। कहीं-कहीं पर वृध्दजनों का औपचारिक ध्यान रखा जाता है क्योंकि पुश्तैनी प्रापर्टी उनके मालिकाना हक में होती है तो उन्हें खुश रखना जरूरी होता है। किसी बुजुर्ग के पास नकदी या आभूषणों से भरी कोई संदूक (पुराने जमाने में ऐसे ही संपत्ति सहेज कर रखी जाती थी) है तो उसको खुशी-खुशी पाने की ललक में भी बुजुर्ग की देखभाल की जाती है। हालांकि आजकल तो ऐसा होना जोखिम भरा काम भी हो गया है। कुछ सिरफिरी संतानें तो बूढ़ों के मरने का इंतजार करने के बजाय प्रापर्टी जल्दी पाने के चक्कर में उन्हें ठिकाने तक लगा देते हैं। ऐसा नहीं है कि बूढे-अशक्त मां-बाप के हक की सुरक्षा के लिए कानून नहीं है परन्तु या तो ऐसे कानूनों से लोग, खासकर वृध्द लोग अनभिज्ञ हैं या फिर कोर्ट कचहरियों में चक्कर लगाने की असमर्थता के चलते प्रताड़ित होते हुए भी वृद्ध जन शिकायत नहीं करते। इससे भी ज्यादा, अपनी संतान के प्रति मोह के चलते बूढ़े मां-बाप कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते। वे अपने परिचितों, रिश्तेदारों के समक्ष तो अपना दुखड़ा रो देते हैं परन्तु अदालतों या पुलिस का दरवाजा नहीं खटखटाते। उन्हें लगता है कि 'ज्यादा गई, थोड़ी रही', क्यों अपनी ही संतान को अदालत में घसीटें। इसलिए सब कुछ सहते रहते हैं। ऐसे में सरकार को एक हेल्प लाइन नंबर शुरू करना चाहिए ,जिससे बुजर्गों को मदद मिल सके। साथ ही हर सरकारी अस्पताल में एक स्पेशल वार्ड बने ताकि बुजुर्गो को वहाँ रहने में मदद मिल सके और उनका समय पर सही इलाज हो सकें। वैसे सरकार व अदालात्तें बुजुर्गो के लिए बहुत कुछ कर रही है .छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के बीते दिनों आए फैसले की हम बात करे। रायपुर के कासिमपारा क्षेत्र के रहने वाले सेवालाल बघेल का आरोप था कि उनके बेटे और बहू रायपुर में उनके ही मकान में रहते हैं लेकिन उनकी देखभाल नहीं करते हैं। वह सरकारी नौकरी से रिटायर हुए थे। मकान को बुजुर्ग ने खुद खरीदा था।

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद-अम्बेडकरनगर।

पत्रांक 133/न०पं० कि०/ई-निविदा/2025-26 दिनांक 202-2026

सेक्शन-1

निर्माण कार्य की निविदा हेतु महत्वपूर्ण तिथियों की सूची

ई-टेण्डर

1.	कार्य का नाम	वार्ड सं० 14 बसखारी उत्तरी में पश्चिमी चौराहे से बहाऊ मेडिकल स्टोर से पूरब ठाकुर के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।
2		वार्ड सं0 14 में दिनेश के मकान से पूरब ताज टेलर की दुकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।
3		वार्ड सं० 15 बसखारी मध्य में पश्चिमी चौराहे से दाहिनी पटरी पर रामजी के मकान से आगे सुनली (सुनील) के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।
4		वार्ड सं० 15 बसखारी मध्य में मनीराम के मकान से पूरब शाबिर के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।
2.	कार्य पूर्ण करने की अवधि, वर्षा ऋतु सहित	03 माह
3.	निविदा जारी करने की तिथि	20/02/2026
4.	Website-https://etender.up.nic.in पर निविदा एवं अभिलेख अपलोड करने की अवधि	दिनांक 24.02.2026 03:00 बजे से 16.03.2026 03:00 बजे तक
5.	Pre-Bid मीटिंग हेतु तिथि, समय एवं स्थान	12.03.2026 (नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा कार्यालय)
6.	आनलाइन बिड डाउनलोड अपलोड करने की अवधि	दिनांक 24.02.2026 03:00 बजे से 16.03.2026 03:00 बजे तक
7.	निविदादाता द्वारा निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड्स खोले जाने एवं स्वीकृति के उपरान्त अपलोड किए गए तकनीकी बिड्स के निर्धारित प्रपत्रो, मूल अभिलेखो एवं निविदा शुल्क तथा धरोहर धनराशि (ईएमडी) शपथ पत्र सम्बन्धी दस्तावेज़ मूलरूप में इस कार्यालय में व्यक्तिगत रुप से प्रस्तुत किए जाने की तिथि 18.03.2026	उ०प्र० सरकार द्वारा जारी शासनादेश सं० 01/2018/3070/78-2-2018/421T/2017(22)/03. 01.2018 के अनुसार निविदादाता मूल अभिलेख फाइनेन्शियल बिड खुलने के तीन दिवस पूर्व या तीन दिवस बाद नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर में स्वयं या अपने प्रतिनिधि द्वारा या डाक से जमा करना होगा।
8.	निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 19.03.2026 समय 03:00 बजे
9.	निविदा खोले जाने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर

ई-निविदा सूचना

संयुक्त सचिव, उ०प्र० शासन के पत्र संख्या-580/2026/नौ-5-2025/001-ब्वउण्छवण् 2008025 दिनांक 17 जनवरी 2026 के द्वारा नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा, अम्बेडकरनगर क्षेत्रान्तर्गत नाली एवं पटिया के निर्माण कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत शासन को प्रेषित कार्ययोजना पर वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के उपरान्त नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में अ, ब श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरुप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के निविदा दे सकता है।

1-कार्यों से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् हैः-

क्र० सं०	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रु० में)	बिड सिक्योरिटी (इ०एम०डी०) (रु0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी. एस.टी. सहित (रु० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बेडकर नगर	वार्ड सं0 14 बसखारी उत्तरी में पश्चिमी चौराहे से बहाऊ मेडिकल स्टोर से पूरब ठाकुर के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।	30.88	308800	3100 +558 3658	03 माह
2		वार्ड सं0 14 में दिनेश के मकान से पूरब ताज टेलर की दुकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।	31.44	314400	3200 +576 3776	03 माह
3		वार्ड सं० 15 बसखारी मध्य में पश्चिमी चौराहे से दाहिनी पटरी पर रामजी के मकान से आगे सुनली (सुनील) के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।	31.00	310000	3200 +576 3776	03 माह
4		वार्ड सं० 15 बसखारी मध्य में मनीराम के मकान से पूरब शाबिर के मकान तक नाली एवं पटिया के निर्माण का कार्य।	30.33	303300	3200 +576 3776	03 माह

1 निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है. जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रुप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

2 अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https:://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

3 निविदा अभिलेखों की उपलब्धता और निविदा डालने की विधिः निविदा आन लाइन उपलब्ध है, निविदा आन लाइन डालने हेतु निविदादाता को https://etender.up.nic.in रजिस्टर्ड होना आवश्यक है तथा निविदादाता के पास अपना मान्य डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (DSC) हो तभी वह ई-निविदा में प्रतिभाग कर सकता है।

4 निविदा शुल्कः कालम 6 के अनुसार (जो कि वापस नहीं किया जायेगा) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर के नगर पंचायत अशरफपुर के एस०बी०आई० बैंक के खाता सं0-32922048267 (IFSC CODE-SBIN0011233) में जमा कर रसीद को स्कैन्ड कर अपलोड करना होगा।

5 घरोहर धनराशि (EMD):- बिना धरोहर धनराशि के बिड मान्य नहीं होगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा जनपद अम्बेडकरनगर के नगर पंचायत अशरफपुर के एस०बी०आई० बैंक के खाता सं0-32922048267 (IFSC CODE-SBIN0011233) में जमा करना होगा तथा ट्रान्जेक्शन रसीद को स्कैन कर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

6 मूल दस्तावेजों का सबमिशन-

(अ) निविदादाता को आई०टी०बी० के क्लाज 3-1a (i) के अनुसार correctness के लिए Affidavit देना अनिवार्य होगा।

(ब) ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से सबमिट किये गये बिड आई.डी. की स्वप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उ०प्र० सरकार के शासनादेश संख्या- 01/2018/3070/78/2-2018/42 आईटी/2017(22)/03.01.2018 के अनुसार निविदादाता को ई-टेण्डर पोर्टल पर अपलोड किये गये बिड्स के निर्धारित प्रपत्रों, मूल अभिलेखों एवं निविदा शुल्क तथा धरोहर धनराशि (ईएमडी) सम्बन्धी ट्रान्जेक्शन शीट आदि स्वप्रमाणित दस्तावेज़ मूलरूप में इस कार्यालय में व्यक्तिगत रुप से प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

7 कार्य पूर्ण करने की अवधि कालम 7 में अंकित की गयी है. जो वर्षा ऋतु सहित दर्शाया गया है।

8 बिड वैधता की अन्तिम तिथि बिड डालने से 90 दिनों तक रहेगी। एक बार बिड सबमिट हो जाने पर बिड डालने की अन्तिम तिथि के बाद उसको विड्रा नहीं किया जा सकता है।

9 स्थल का निरीक्षण निविदादाता को टेण्डर देने के पूर्व करना होगा बाद में किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। निविदा सूचना में अंकित कार्य में परिवर्तन हो सकता है, नगर पंचायत की आवश्यकता के अनुसार संख्या घटायी/ बढ़ायी जा सकती है, जिसके लिए ठेकेदार/फर्म का कोई क्लेग मान्य नहीं होगा।

10 बिड e-procurement पर अनिवार्य रुप से आनलाइन जमा कर दी जायें आनलाइन बिड दिनांक 16.03.2026 को 03:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

11 निविदादाता को निम्न अभिलेख की स्केन कापी आनलाइन अपलोड करें तथा मूल कापी अनुबन्ध के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा-

a. एक नान ज्यूडिशियल 100 रुपये के स्टैम्प पेपर पर शपथ पत्र (टी-6 फारमेट पर) देना होगा।

b. एक शपथ पत्र कि बिड 90 दिनों तक मान्य होगी तथा सम्बन्धित ठेकेदार / फर्म सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असमाजिक कार्यों एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है. निविदादाता को निविदा के साथ इस आशय का शपथ पत्र एक नान ज्यूडिशियल 100 रुपये के स्टैम्प पेपर पर देना होगा।

c. जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रदत्त स्वप्रमाणित चरित्र प्रमाण पत्र (टी-4) संलग्न करें।

d. जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रदत्त स्वप्रमाणित हैसियत प्रमाण पत्र (टी-5) संलग्न करें।

e. किसी भी स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में अ, ब, श्रेणी में पंजीकरण की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें।

f. निविदादाता द्वारा अपना अधिकृत पत्ता, ई-मेल आई०डी०, मोबाइल नम्बर तथा सम्पर्क नम्बर अपने लेटर पैड पर लिखकर अपलोड करना होगा।

g. स्वप्रमाणित पैन कार्ड की छाया प्रति।

h. स्वप्रमाणित जी०एस०टी० रजिस्ट्रेशन की छायाप्रति ।

i. श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन की स्वप्रमाणित छायाप्रति ।

12 आई.टी.बी. के क्लाज 3.1 b(i) के अनुसार कोई भी निविदादाता जिनका सम्बन्धी अथवा उनकी पत्नी कोई निकट सम्बन्धी (प्रथम रक्त सम्बन्धी अथवा पत्नी) इस ULB में अधिशासी अधिकारी, अधीक्षण अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, लेखाकार, विभागीय लिपिक/यू.एन.ए./ए.एन.ए./के.एन. ए. के पद पर तैनात / कार्यरत हो अथवा निर्वाचित अध्यक्ष / सभासद हो, वह निविदा डालने के लिए योग्य नहीं होगा। निविदादाता द्वारा यह शपथ पत्र भी दिया जायेगा जिसमें उनके सम्बन्धियों के नाम तथा उनके पदनाम का स्पष्ट उल्लेख करेगा जो इस ULB में कार्य को एवार्ड करने अथवा सम्पादित करने के लिए जिम्मेदार है।

13 आई.टी.बी. के क्लाज 3.1 b(ii) के अनुसार कोई राज्यपत्रित अधिकारी जो कि राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार में कार्यरत हो,

सेवानिवृत्ति की अवधि के एक वर्ष तक बिना सरकार की अनुमति के ठेकेदारी कार्य के लिए प्रतिबन्धित होगें। यदि ठेकेदार या उसका कोई कर्मचारी इस परिस्थिति में कभी बिना सरकार के अनुमति के कार्यरत पाया जाता है तो उसका ठेका निरस्त समझा जायेगा। यही शर्त इस विभाग के समस्त अधिकारी / कर्मचारी के लिए भी लागू होगा।

14 कोई भी गजटेड आफिसर्स जो एक वर्ष के अन्दर किसी भी प्रदेश या केन्द्र सरकार की सेवा से रिडायर्ड हो, शासन की अनुगति के बिना निविदा नहीं डाल सकता है।

15 कोई भी निविदादाता जिसे मा० न्यायालय से आपराधिक मामले में दण्डित हुआ हो, वह निविदा में भाग नहीं ले सकता है।

16 कार्य को किसी दूसरे ठेकेदार को सबलेट (शिकमी देना / हस्तान्तरण) नहीं किया जा सकता।

17 निविदा से सम्बन्धित विवरण, निविदा डालने हेतु योग्यता एवं पात्रता, ड्रांइग, विशिष्टियां, मात्राओं का विवरण एवं निविदा की शर्तें, जिनका ठेकेदार द्वारा पालन किया जाना है, वेब साइट http//etender.up.nic.in से डाउनलोड कर सकते है (निविदा के तकनीकी शर्तों के अतिरिक्त ई-टेण्डर पोर्टल पर निविदादाता द्वारा कोई अन्य अभिलेख अपलोड नहीं किया जायेगा)।

18 निविदादाता किसी भी बार काउन्सिल में यदि रजिस्टर्ड हो तो वह निविदा में भाग नहीं ले सकता है।

19 निविदादाता को कार्यादेश प्राप्त होने के एक सप्ताह के अन्दर श्रम विभाग में अपने मजदूरों का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा।

20 निविदादाता अपना दर फाइनेन्सियल बिड में संलग्न BOQ में अंकित करेगा।

21 निविदादाता को अनुबन्ध के समय निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा-

(अ) (1)-आई.टी.बी. के क्लान 3.1 b (i) एवं (2)- 3.1 b (ii) के अनुसार शपथ पत्र।

(3)-निविदादाता द्वारा कार्य के आवश्यकतानुसार मशीनरी एवं उपकरणों की व्यवस्था किये जाने के आशय का प्रपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(4)-कार्य को किसी दूसरे ठेकेदार को सबलेट (शिकमी / हस्तान्तरण) न करने का शपथ पत्र।

(ब) स्वप्रमाणित पैन की प्रति।

(द) स्वप्रमाणित श्रम विभाग में पंजीकरण प्रमाण पत्र।

(स) स्वप्रमाणित जी.एस.टी. प्रमाण पत्र।

(य) बिड कैपिसिटि गणना शीट।

22 निविदादाता को शासन द्वारा समय समय पर जारी शासनादेशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

23 खनन विभाग द्वारा जारी शासनादेश संख्या 3385/86-2015-292/2016 दिनांक 15.10.2016 तथा समय-समय पर संशोधित आदेशों के क्रम में रायल्टी की कटौती की जायेगी।

24 निविदाओं की बीओक्यू में अंकित कार्यों की मात्रा में परिवर्तन हो सकता है, जिसके लिए ठेकेदार/फर्म का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

25 किसी भी ई-निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

26 किसी भी दशा में कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि बढ़ायी नहीं जायेगी, जब तक कि कोई यथोचित कारण न प्रस्तुत किया जाये।

27 जी०एस०टी० हेतु निर्धारित दरों का पालन करना अनिवार्य होगा।

28 किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में ULB T-1 में निहित सेक्शन 1 में अग्रेजी भाषा में दी गई शर्ते ही अंतिम रुप से मान्य होगी।

29 किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र अम्बेडकरनगर होगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

शेर की दहाड़ सुनते ही कुत्ते भागते हैं, मोहन भागवत ने कहा था- हिंदू 3 बच्चे पैदा करें

बच्चे पैदा करने से समाज नहीं बढ़ता : शंकराचार्य

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनसंख्या के मुद्दे पर चल रही बहस पर बयान दिया है। उन्होंने कहा- बच्चा पैदा करने से समाज न घटता है और न ही बढ़ता है। समाज अपनी संस्कृति, सभ्यता और धर्म पर टिके रहने से लंबे समय तक कायम रहता है और आगे बढ़ता है। इस विषय में उनकी ओर से कोई उपदेश नहीं दिया जाता। ये बातें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने वाले बयान पर कही हैं। उन्होंने कहा- संख्या बल से कोई नहीं जीतता। कुत्तों की संख्या अधिक होती है, लेकिन जब एक शेर दहाड़ता है तो सभी भाग

जाते हैं। दरअसल, 17 फरवरी को लखनऊ में मोहन भागवत ने कहा था कि जो भी लोग अब शादी कर रहे हैं, उन्हें कम से कम तीन बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। विवाह का उद्देश्य सृष्टि को आगे बढ़ाना होना चाहिए, न कि केवल वासना की पूर्ति। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी पर शंकराचार्य ने कहा- उनकी बातों पर हम लोग क्यों जाएं? हमें अपने घर की चिंता करनी है। संख्या बल से कोई नहीं जीत सकता है। कुत्तों की संख्या सबसे ज्यादा होती है, लेकिन जैसे ही एक शेर दहाड़ता है तो सभी भाग जाते हैं। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम। यदि वे यह सोच रहे हैं कि केवल संख्या बढ़ाने से काम बन जाता है, तो यह सही नहीं है।

धर्मशास्त्रों की अवहेलना की जा रही

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- उनकी ओर से धर्मशास्त्रों की अवहेलना की जा रही है। कहीं ऐसा न हो कि हम ज्यादा बच्चे पैदा करें और एक दिन कोई प्रभावी व्यक्ति आकर हमारे बच्चों को समझाकर धर्म परिवर्तन करा दे। फसल हम उगाएं और काटे कोई दूसरा, इसलिए केवल संख्या बढ़ाने से काम नहीं चलता। बच्चे को इतने संस्कार दीजिए। इतना दृढ़ बनाइए कि वह किसी भी परिस्थिति में धर्म की पताका लेकर आगे बढ़ता रहे। 100 तारे उतना प्रकाश नहीं देते, जितना एक चंद्रमा के उगते ही अंधेरा दूर हो जाता है। आप एक बच्चा करें या चार, यह आपकी अपनी पसंद है। इसमें कोई बंधन नहीं है। देवकी और वसुदेव ने 8 संतानें पैदा कीं, तभी भगवान का अवतार हुआ।

भारत में रहने वाले मुस्लिम भी हिंदू

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत 17 और 18 फरवरी को लखनऊ प्रवास पर थे। इस दौरान मोहन भागवत ने सामाजिक सद्भाव से जुड़े विषयों पर बैठक की थी। इसमें उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के जवाब दिए थे। मोहन भागवत ने समाज को जातियों में बांटने और बंटने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा- हमें जाति के चक्कर में नहीं पड़ना है। ये जाति ऐसी चीज है।

सनातन धर्म का ज्ञान ना होने से संख्या बढ़ाने की बात करते

भगवान श्रीकृष्ण के वंशज यादवों को किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं मारा था, बल्कि वे आपसी संघर्ष में ही नष्ट हो गए थे। जब संख्या बहुत अधिक हो जाती है और अनुशासन व एकता नहीं रहती, तो समाज अंदर से कमजोर हो सकता है। संख्या बढ़ जाने पर कई बार लोग आपस में ही लड़कर मर जाते हैं। इसलिए संख्या की बात वही लोग करते हैं, जिन्हें अपने सनातन धर्म की गहराई का सही ज्ञान नहीं है।

हिंदुओं की घटती जनसंख्या से भविष्य खतरे में

भागवत ने कहा- अब जो भी बच्चे शादी कर रहे हैं। उन्हें बताइए कि कम से कम तीन बच्चे पैदा करें। विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है। भारत में रहने वाले मुस्लिम भी हिंदू हैं, वे कोई अरब से नहीं आए है। घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है।

22 फरवरी को बाराबंकी में मेगा विधिक जागरूकता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाराबंकी के तत्वावधान में श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में द्वारा दिनांक-22 फरवरी, 2026 को आयोजित किए जाने वाले मेगा/वृहद विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविर के लिए सभी न्यायिक अधिकारीगण की समीक्षा बैठक का आयोजन मीटिंग हाल में किया गया। बैठक में जनपद न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारीगण को इस मेगा शिविर में सम्मिलित होने के निर्देश देने के साथ साथ राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 के तहत अपने अपने न्यायालयों से अधिक से अधिक मुकदमों को सुलह समझौता केन्द्र प्रेषित किये जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। मुकदमों को संदर्भित किए जाने की तिथि को विस्तारित कर दिया गया है। अब ये मामले दिनांक 07 मार्च, 2026 तक संदर्भित किए जा सकेंगे। यह कदम आम जनता के बीच मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके अतिरिक्त श्री कृष्ण चंद्र सिंह, अपर जिला जज/नोडल अधिकारी मेगा शिविर/ राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता में ए0डी0आर0 भवन स्थित सचिव के कक्ष में बैठक का आयोजन कर राष्ट्रीय लोक अदालत एवं मेगा शिविर की सफलता के लिए विचार विमर्श किया गया।

फास्ट न्यूज

वाराणसी कोर्ट से चोरी-सेंधमारी का आरोपी 23 साल बाद बरी

वाराणसी। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय ने चोरी के केस में 23 साल आरोपी को बरी कर दिया। अभियोजन के वकील ने बताया कि गंगाराम यादव ने 29 जून 2003 को दशाश्वमेध थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी कि 28/29 जून 2003 को रात्रि लगभग 2.00 बजे भोर में उसके मकान में चहारदीवारी से एक व्यक्ति कूदकर उसके कमरे के पास आ गया तथा सामान की चोरी करने लगा।

गंगा में लापरवाही बरतने पर नाविकों पर एफआईआर

वाराणसी। वाराणसी में बीते दिनों नाव की टक्कर में एक नाव के डूबने और उसमे बैठे लोगों के लाइफ जैकेट न पहनने के मामले के सामने आने के बाद वाराणसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। वाराणसी पुलिस ने गंगा में नाव संचालन की रिवाइज एडवाइजरी जारी करने के बाद गंगा में सघन सर्च अभियान चलाया। इस दौरान नाव में अधिक सवारी और बिना लाइफ जैकेट के सवारी मिलने पर अस्सी चौकी प्रभारी रणजीत कुमार की तहरीर पर पांच FIR और दशाश्वमेध चौकी इंचार्ज की तहरीर पर 3 FIR दर्ज की गई है। इस दौरान 150 से अधिक नावों की गंगा में चेकिंग की गयी और सभी को लाउडहेलर से निर्देशित किया गया।

17 साल की नाबालिग को पेट्रोल से जलाया

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में मोहम्मदपुर खाला थाने से महज चंद कदमों की दूरी पर जिंदा जलाई गई 17 वर्षीय की मौत के बाद अब यह मामला मिस्ट्री बनता जा रहा है। एक तरफ जहां लखनऊ ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ने वाली किशोरी ने अस्पताल में दिए बयान में पेट्रोल पंप कर्मी अखिलेश पर आग लगाने का आरोप लगाया था। अब किशोरी की बहन ने अखिलेश व तीन अन्य अज्ञात लोगों पर दुष्कर्म कर जिंदा जलाने का आरोप लगाया है।

त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन अभियान

बेलहरा बाजार में 2 क्विंटल कचरी नष्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए फतेहपुर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के तहत बेलहरा बाजार में कार्रवाई करते हुए करीब 2 क्विंटल कचरी को मानक के अनुरूप न पाए जाने पर नष्ट कराया गया। नष्ट की गई कचरी की अनुमानित कीमत लगभग 6,500 रुपये बताई गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अंकिता यादव के नेतृत्व में टीम ने बेलहरा बाजार स्थित जुनैद किराना स्टोर और राहुल किराना स्टोर पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकानों पर रखी गई कचरी की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई और निर्धारित मानकों के

अनुरूप न होने पर तत्काल कार्रवाई की गई। विभागीय टीम ने मौके पर ही आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए लगभग 2 क्विंटल कचरी को नष्ट करा दिया, ताकि मिलावटी या घटिया खाद्य सामग्री उपभोक्ताओं तक न पहुंच सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अंकिता यादव ने बताया कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की मांग और खपत में काफी वृद्धि हो जाती है। ऐसे समय में मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा लगातार बाजारों, दुकानों और गोदामों की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी सूरत में मिलावटी या घटिया खाद्य सामग्री की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. यादव ने सभी दुकानदारों से अपील की कि वे केवल मानक के अनुरूप, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री ही बिक्री के लिए रखें। साथ ही आम नागरिकों से भी अनुरोध किया कि यदि कहीं मिलावटी या संदिग्ध खाद्य पदार्थ की बिक्री होती दिखाई दे, तो उसकी सूचना तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

पीडीए ने एयरपोर्ट के रावतपुर में की कार्रवाई

प्रयागराज। प्रयागराज में अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने शुक्रवार को जोन-02, उपजोन-2बी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जोनल अधिकारी के नेतृत्व में रावतपुर क्षेत्र में करीब 15 बीघा जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार जफर, साहिद, अतुल द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी, आफताब, मशरूर, रामजी द्विवेदी, सोनू, गुलफाम समेत अन्य लोगों द्वारा रावतपुर में बिना स्वीकृत मानचित्र और नियमानुसार अनुमति के प्लाटिंग की जा रही थी। शिकायत और जांच के बाद इसे अवैध पाया गया, जिसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से विकसित की जा रही सड़कों, प्लॉटों की निशानदेही और अस्थायी निर्माण को जेसीबी की मदद से हटाया गया। पीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भी दर्ज कराई जाएगी, ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य 25 वकीलों के साथ प्रयागराज कोर्ट पहुंचे

आशुतोष महाराज ने लगाया है कुकर्म करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से 10 फरवरी को दाखिल वाद में शुक्रवार को प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आशुतोष महाराज पर झूठे मुकदमे में फंसाने और मीडिया के जरिए दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया गया था। इस वाद पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्यवादी और पक्षकार आशुतोष महाराज नोटिस का जवाब देने कोर्ट पहुंचे। वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद का पक्ष रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वकील पीएन मिश्र करीब 25 वकीलों के साथ कोर्ट पहुंचे। इस दौरान शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद भी मौजूद रहे। आशुतोष महाराज ने अविमुक्तेश्वरानंद की तरफ से दाखिल एफिडेविड की

संपूर्ण कॉपी देने को कहा। साथ ही अपना वकील नियुक्त करने के लिए भी समय मांगा। स्पेशल जज पॉक्सो विनोद कुमार चौरसिया ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद 13 मार्च को अगली सुनवाई की तारीख तय की। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे आशुतोष महाराज कोर्ट पहुंचे। उन्हें बताया गया कि सुनवाई 2 बजे होगी। इसके बाद शंकराचार्य के शिष्य वादी मुकुंदानंद करीब 25 वकीलों के साथ कोर्ट पहुंचे। थोड़ी ही देर में सुप्रीम कोर्ट के वकील पीएन मिश्र भी करीब 15 जूनियर वकीलों के साथ कोर्ट रूम में पहुंच गए। जज ने कहा- दोनों पक्ष मौजूद हैं। अब बताइए। इसी पर आशुतोष महाराज ने कहा कि सर, हमें समय चाहिए। हम विपक्ष की ओर से दाखिल संपूर्ण दस्तावेज की कॉपी चाहते हैं। तभी विधिवत जवाब दाखिल हो सकता है। जज ने नोटिंग कराई कि इन्हें कॉपी मुहैया कराई जाए। इसके बाद जज ने पूछा- आप अपना पक्ष खुद रखना चाहते हैं, तो आशुतोष महाराज ने कहा- हां। जज ने कहा- सब कुछ ऑन रिकॉर्ड रहेगा। अगर वकील रखना चाहें तो रख लें। इस पर आशुतोष महाराज ने कहा कि उन्हें वकील नियुक्त करने के लिए समय चाहिए। इसी बीच शंकराचार्य के वकीलों ने 104 पेज का हलफनामा कोर्ट में जमा किया।

बाराबंकी की नगरपालिका में इंटरलॉकिंग सड़क धंसी

ठेकेदार पर लापरवाही के आरोप, लोगों में रोष

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। सड़क निर्माण में ठेकेदारों की मनमानी के कारण घटिया निर्माण और सुरक्षा नियमों की अनदेखी आम समस्या बन गई है। यह लापरवाही नवनिर्मित इंटरलॉकिंग का हैं, इसी सड़क दूसरी छोर महीनों नहीं बीता कि बीच रास्तें एक नाली के पास जमीन या मिटट्ी धंसने कारण वाहन धीमी गति से भी चलने में बाधा आ रहीं हैं उपरोक्त मामला कहीं दूसरी जगह का नहीं बल्कि जनपद की एक मात्र नगरपालिका का हैं । कभी भी यदि गायत्रीनगर से रामजानकी नगर व गोकुलनगर के मध्य मध्य का हैं और जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यद्यपि ठेकेदार को संपूर्ण निर्माण चरण की योजना व प्रबंधन करना के साथ निगरानी और समन्वय करना होता। सवाल ! कार्य से प्रभावित सभी लोगों (जनता सहित) के स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, व नियंत्रित आवश्यक उपायों की योजना का प्रबंधन क्या हुआ हैं ? दियें चित्र में देख सकते हैं । बस ! यहीं लोगों में चर्चा किस कदर अतिक्रमण से प्रभावित सड़क कर दिया हैं ।

कानपुर में भाई बोला- हत्या हुई, पति मोटी-भैंस कहता था, दूसरी लड़की संग रहता

शादी के 2-महीने बाद ससुराल में महिला की लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के रेल बाजार थाना क्षेत्र में एक महिला की लाश संदिग्ध अवस्था में उसकी ही ससुराल में मिली। उन्नाव के बांगरमऊ के रहने वाले परिजनों ने पति और उसके घर वालों पर हत्या का आरोप लगाया। परिजनों ने बताया पति कुलदीप अंजली को मोटी और भैंस कह कर बुलाता था। मकर संक्रांति के बाद गोविंद नगर निवासी एक लड़की के साथ रहने लगा था। इसके बाद गुरुवार-शुक्रवार की रात उसकी तकिया से मुंह दबा कर हत्या कर दी गई। मेरी बहन को खिचड़ी यानी मकर संक्रांति पर घर भेज दिया। इसके बाद वह दूसरी लड़की के साथ रहने लगा। जब मेरी बहन यहां वापस आई, उसके बाद आज रात में उसको मार दिया। आज हम लोगों को

5 दिसंबर को कुलदीप के साथ अंजली की शादी हुई थी।

होली की त्यौहारी लेकर आना था, लेकिन अब आज मुझे लाश मिली है। ये लड़का जो दहेज में बेड मिला था, उस पर लेटने भी नहीं देता था। आए दिन मारपीट करता था। एक बार हम लोग मारपीट की घटना होने के बाद आए थे, लेकिन उसके परिजनों ने बातचीत करके मामला सुलझा दिया था। मुझे यहां से बुला ले जाइए। मुंह पर तकिया लगा के मुंह दाब के उसकी हत्या की गई है। ये लड़का (कुलदीप) एक दूसरी लड़की रखता था।

दो महीने पहले हुई थी शादी, अवैध संबधों की आशंका

पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे अंजली के भाई विवेक ने बताया- हमलोगों को रात में 1.45 पर सूचना मिली थी। अंजली के पेट में दर्द हो रहा है, फिर 25 मिनट बाद 2.10 पर उसकी मौत होने की सूचना दी। जब हम लोग सुबह आए तो पुलिस से मिले, जिसके बाद FIR दर्ज करवाने के लिए तहरीर दी है। जिस समय हम घर पर पहुंचे तो वह पड़ी हुई थी। मुंह पर तकिया लगा के मुंह दाब के उसकी हत्या की गई है। ये लड़का (कुलदीप) एक दूसरी लड़की रखता था। लेकिन हम लोगों को ये पता होता तो हम अपनी बहन की यहां शादी न करते।

लड़के के पिता पुलिस अफसर के करते है काम

विवेक ने बताया- लड़के कुलदीप के पिता कानपुर में IG के यहां साफ-सफाई का काम करते हैं, उनको इस बात का घमंड था, ये बचा लेंगे। बहन से कल दिन में 1 बजकर 47 मिनट पर बात हुई थी। उसने बताया था कि ये मेरे साथ बहुत ही मारपीट कर रहा है।

भाई बोला- बहन को घर भेजकर दूसरी लड़की के साथ रहता था

उन्नाव के बंगारमऊ थाना क्षेत्र के मोहल्ला सिद्धार्थ नगर की रहने वाली अंजली (23) की शादी कानपुर के रेलबाजार में 5 दिसंबर को हुई थी। गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब दो बजे अंजली घर में संदिग्ध परिस्थियों में मृत अवस्था में मिली। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने थाना रेलबजार पुलिस से शिकायत की है। अंजली के भाई सुजीत ने बताया- हमारी बहन की शादी होने से पहले रिंगसेरेमनी हुई थी, जिसके बाद शादी हुई थी। शादी के बाद पति मेरी बहन को मोटी और भैंस कहकर बुलाता था। उसके साथ मारपीट करते थे।

विवाद: दूल्हा फूट-फूटकर रोया, फिर भी नहीं मानी, फतेहपुर में बाराती-घराती में लाठी-डंडे चले

कुत्ते के लिए दुल्हन ने मंडप से बारात लौटाई

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दुल्हन ने सिर्फ इसलिए बारात लौटा दी, क्योंकि एक बाराती ने उसके पालतू कुत्ते को लात मार दी थी। जबकि दूल्हा-दुल्हन की लव मैरिज थी। दुल्हन एक महीने पहले प्रेमी के साथ घर से भागकर आर्य समाज मंदिर में शादी कर चुकी थी। बाद में दोनों परिवारों ने बातचीत की। तय हुआ कि दोनों की शादी कर दी जाए। 18 फरवरी को शादी तय हुई। लड़की पक्ष प्रयागराज से फतेहपुर पहुंचा। जयमाल के बाद शादी की रस्में चल रही थीं। इसी दौरान मंडप के पास बैठा कुत्ता भौंकने लगा। इस पर एक बाराती ने उसे लात मार दी। दुल्हन ने यह देखा तो वह भड़क गई।

दूल्हे ने बताया- हम दोनों ने डिसाइड किया था कि 23 जनवरी को हम इंगेजमेंट करेंगे, लेकिन नहीं हो पाया। इसके बाद 26 जनवरी को तनु फिर भागकर मेरे घर आ गई। इसके बाद हम दोनों के घरवालों से शादी के लिए बात की। 7 फरवरी को तनु के चाचा-चाची घर आए। दोनों परिवारों ने मिलकर शादी की डेट 18 फरवरी रखी। बुधवार को धूमधाम से दुल्हन पक्ष के लोग बारात लेकर कान्हा गेस्ट हाउस पहुंचे। जयमाल पड़ी, फिर शादी की रस्में शुरू हुईं। सुबह चार बजे मंडप से कुछ दूरी पर बंधा तनु का कुत्ता सिक्सर भौंकने लगा।

देखते-देखते विवाद इतना बढ़ा कि बाराती और घराती आपस में भिड़ गए। मारपीट में कई लोगों के सिर फट गए। दुल्हन की भी उंगली में फ्रैक्चर हो गया। मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने दोनों पक्षों से समझौते की बात की, लेकिन दुल्हन शादी तोड़ने पर अड़ी रही।

दुल्हा बोला-दो साल रिलेशन में रहे, भागकर शादी की

लड़का सुमित केसरवानी (25) फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है। खागा सर्राफा बाजार में ही उसकी ज्वेलरी की दुकान है। उसका पूरा परिवार यहीं काम करता है। सुमित ने बताया- दो साल पहले प्रयागराज के कटरा की रहने वाली तनु केसरवानी से उसकी मुलाकात हुई थी। तनु ने बीए किया है। दोनों दो साल से रिलेशनशिप में थे।

इसी कुत्ते को लेकर सारा मामला शुरू हुआ। इसका नाम सिक्सर है।

'दुल्हन को मनाया, कस्में दिलाईं, लेकिन नहीं मानी'

दूल्हे ने बताया- लोगों ने उसको शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं हुआ। इसी बीच एक बाराती ने उसे लात मार दी। इसी बात पर तनु और उसके घर वाले गुस्सा हो गए और कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। इसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए।

'वन टाइम टैक्स सेटलमेंट योजना को लेकर एआरटीओ ने दी विस्तृत जानकारी'

मौके पर 5 वाहन स्वामियो ने उठाया योजना का लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। शासन द्वारा व्यवसायिक वाहन स्वामियों को बकाया कर भुगतान के लिए वन टाइम टैक्स सेटलमेंट योजना के तहत उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय सभागार मे सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता मे परिवहन मेला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय परिवहन मेला मे आज 20 फरवरी लगभग 40 वाहन स्वामियो ने प्रतिभाग कर योजना के सम्बन्ध मे जानकारी ली। मौके पर 5 वाहन स्वामियो द्वारा कर भुगतान का योजना का लाभ उठाया गया। मेले मे एआरटीओ प्रशासन ने वाहन स्वामियो को टैक्स की गणना, पंजीकरण, परमिट और लाइसेंस से जुड़ी जानकारियां दी। तथा आफलाइन के माध्यम से कार्यालय पर सम्पर्क कर टैक्स जमा करने की अपील की। एआरटीओ ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक वाहनों (कमर्शियल वाहनों) के लिए नई वन टाइम टैक्स (एकमुश्त कर) व्यवस्था के बारे में जानकारी देकर वाहन स्वामियो को बार-बार कर जमा करने की जटिल प्रक्रिया से राहत दिलाना और पारदर्शी डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है। उन्होने आगे बताया कि भाड़े या पारिश्रमिक पर चलने वाले दोपहिया वाहन, तिपहिया मोटर कैब, 10 लाख रुपये तक और 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मोटर कैब (तिपहिया को छोड़कर), मैक्सी कैब, निर्माण उपकरण व विशेष प्रयोजन वाहन, 3000 किग्रा तक और 3000 से 7500 किग्रा तक के माल वाहन और राज्य परिवहन उपक्रम के सार्वजनिक सेवा वाहन छूट का लाभ प्राप्त सकेगे। इस प्रक्रिया से वाहन स्वामियो को राहत मिलेगी। तथा छोटे कमर्शियल वाहन संचालकों को बार-बार टैक्स जमा करने की झंझट से छुटकारा मिलेगा।

कब्र में 100 किलो नमक डाला, झांसी में पिता टीचर थे, मां रिटायर्ड पेशकार, पुलिस को किया गुमराह

एमबीए पास भाई का मर्डर करके शव घर में दफनाया

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । यूपी के झांसी में गाली देने पर MBA पास बड़े भाई की उसके छोटे भाई ने हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने घर के पीछे 5 फीट गहरी कब्र खोदकर शव को दफना दिया। लाश जल्दी गल जाए, इसके लिए उसने कब्र में 100 किलो नमक डाल दिया।

घटना 9 फरवरी की है। उस वक्त घर में दोनों भाई ही मौजूद थे, जबकि मां मायके गई हुई थी। हत्या के अगले दिन मां ने फोन किया, लेकिन बड़े बेटे का मोबाइल स्विच ऑफ आया। उन्होंने छोटे बेटे से बात

की तो उसने बताया कि भाई कहीं चले गए हैं। आरोपी ने चार दिन तक परिवार को गुमराह किया। फिर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद परिजन बेटे की तलाश करते रहे, लेकिन आरोपी भाई को खोजने में रुचि नहीं ले रहा था। इस पर मामा को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। 19 फरवरी को पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाकर पूछताछ की। सख्ती करने पर उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस आरोपी को लेकर घर पहुंची, जहां वह 3 घंटे तक पुलिस को गुमराह करता रहा।

रात 12 बजे SSP और मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे। सख्ती बढ़ने पर आरोपी ने कब्र की जगह बताई। इसके बाद शव बाहर निकाला गया। फिलहाल, आरोपी की पत्नी और साला फरार हैं। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। घटना प्रेमनगर थाना के बिहारीपुरा मोहल्ले की है। परिजनों ने तारिक को खोजने का काफी प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

पिता की मौत के बाद छोटे बेटे को नौकरी मिली थी

मां झांसी न्यायालय में पेशकार के पद से रिटायर्ड हैं। दिमागी हालत ठीक न होने के चलते वह अक्सर अपने मायके में भाइयों के पास रहती हैं। उनका मायका बिहारीपुरा से करीब 10 किलोमीटर दूर पुरानी तहसील मोहल्ले में है। मशारिक ने मोहल्ले में ही रहने वाली लड़की से 9 दिसंबर 2025 को लव मैरिज की थी।

पिता टीचर थे, मां पेशकार से रिटायर्ड

झांसी रेलवे स्टेशन से 5 किमी दूर बिहारीपुरा मोहल्ला है। यहां के रहने वाले मिर्जा अकील बेग प्राइमरी स्कूल में टीचर थे। उन्होंने 2500 वर्गफीट में दो मंजिला मकान बनवाया हुआ था। 2022 में रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई थी। उनके दो बेटे तारिक बेग और मशारिक हैं। घरवालों के मुताबिक, पिता की मौत के बाद बड़े बेटे तारिक को अनुकंपा पर चपरासी की नौकरी मिल रही थी। तारिक (40) एमबीए कर चुका था। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था, इसलिए उसने चपरासी की नौकरी करने से मना कर दिया। इसके बाद यह नौकरी उसके छोटे भाई मशारिक को मिल गई।

तारिक की लाश को गड्ढे से बाहर निकालने के बाद सैंपल लिए गए।

'मां को गुमराह करता रहा, कहा- भाई कहीं चले गए'

मशारिक करीब सवा साल से रक्सा थाना क्षेत्र के बाजना गांव के स्कूल में चपरासी के पद पर तैनात है। 9 फरवरी को उसकी मां मायके चली गई थीं। 10 फरवरी को उन्होंने बड़े बेटे तारिक से बात करने के लिए कॉल किया, लेकिन उसका नंबर स्विच ऑफ आया। इसके बाद उन्होंने छोटे बेटे मशारिक को कॉल कर तारिक के बारे में पूछा। मशारिक ने कहा कि उसे नहीं मालूम बड़े भाई कहां हैं। वह शायद कहीं बाहर निकल गए हैं। इसके बाद मां ने अगले दिन भी कॉल की, लेकिन तारिक से बात नहीं हो सकी। दोबारा पूछने पर मशारिक ने फिर वही जवाब दिया। इससे मां को चिंता होने लगी और वह बिहारीपुरा स्थित घर आ गईं। इसके बाद मशारिक ने मां और मामा मोहम्मद सलीम को बताया कि तारिक बेग कहीं गुम हो गए हैं।

वन विभाग के मुकदमे के बाद गिरफ्तार हुआ मोर मारने का आरोपी

प्लास्टिक के कट्टे से मोर का शव बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा, चौमुहां। थाना छाता क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तरौली जनूनी में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में हरियाणा के फरीदाबाद निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से एक मृत नर मोर बरामद हुआ है, जिसे वह प्लास्टिक के कट्टे में भरकर ले जाने की फिराक में था। जानकारी के अनुसार, घटना 19 फरवरी 2026 की रात करीब 8:00 बजे की है। ग्राम तरौली जनूबी के ग्रामीणों ने एक युवक को संदिग्ध अवस्था में देखा। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी ने डंडे से प्रहार कर पेड़ पर बैठे मोर को मार गिराया था। जब वह मृत मोर को प्लास्टिक के कट्टे में भर रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग बीट प्रभारी प्रताप सिंह पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचे। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजेंद्र उर्फ बीरेंद्र (25 वर्ष), पुत्र

ज्ञान सिंह बताया। वह डबुआ कॉलोनी, थाना डबुआ, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) का निवासी बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद कट्टे से मोर का शव बरामद किया गया। डीएफओ वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और वन विभाग द्वारा मोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। डीएफओ के निर्देशन में वन रक्षक प्रताप सिंह ने छाता कोतवाली में आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

फास्ट न्यूज

आगरा पहुंचे अभिनेता अजय देवगन

आगरा । बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन शुक्रवार शाम आगरा पहुंचे। शाह मार्केट स्थित कल्याण ज्वेलर्स के शोरूम का उन्होंने उद्घाटन किया। वे यहां मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अजय देवगन के पहुंचते ही फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उनकी एक झलक पाने के लिए एमजी रोड पर भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। फैंस ने मोबाइल फोन में उनकी तस्वीरें और वीडियो कैद किए।

गैंगस्टर के आरोपी दो भाईयों की साढ़े नौ करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

मथुरा । पुलिस और प्रशासनिक टीम ने गुरुवार को गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को दो भाइयों की लगभग साढ़े नौ करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया। छटीकरा रोड पर अर्धनिर्मित इमारत और बेशकीमती प्लॉटों को कुर्क किया गया। इसके लिए मुनादी करवाई गई।

एएसपी आशना चौधरी ने बताया कि कृष्णा विहार, कोतवाली के रहने वाले योगेश और राजन के विरुद्ध गिरोहबंद अधिनियम की कार्यवाही की गई थी। दोनों ने संगठित गिरोह बनाकर आर्थिक लाभ के लिए अपराध से संपत्ति इकट्ठी की है।

ताज महोत्सव में मिट्टी के बर्तनों का क्रेज

आगरा । आगरा में चल रहे ताज महोत्सव में मिट्टी के बर्तनों की स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बदलते समय में पारंपरिक बर्तनों की ओर लोगों का झुकाव बढ़ रहा है। इसका असर यहां साफ देखने को मिल रहा है। ग्राहकों की भीड़ के चलते कारीगरों को ऑर्डर पूरे करना मुश्किल पड़ रहा है। फरीदाबाद से आई महिला कारीगर पिछले 15 सालों से ताज महोत्सव में अपनी स्टॉल लगा रही हैं।

विकास कार्यों को लेकर सीएम योगी से मिले एमएलसी ओमप्रकाश सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा (चौमुहाँ)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मथुरा जनपद के विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा की।

मुलाकात के दौरान एमएलसी ओमप्रकाश सिंह ने मथुरा के बुनियादी ढांचे, धार्मिक पर्यटन और स्थानीय विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने ब्रज क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी और कुछ लंबित कार्यों को गति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चर्चा के दौरान सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि सरकार मथुरा के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही।

सेना ने 6 महीने बाद लौटाया राम मंदिर का मॉडल

आगरा। आगरा नगर निगम ने तीन साल पहले राम मंदिर का मॉडल तैयार किया था। जिसे 6 महीने पहले G-20 पार्क में सेना की जमीन पर बिना परमिशन के स्थापित कर दिया। परमिशन न लेने की वजह से इसे सेना ने हरे कपड़े से ढक दिया। जिससे शहर में राम मंदिर का मामला तूल पकड़ता चला गया। इसके बाद सेना ने कई हिस्से में काट कर इसे अपने कब्जे में ले लिया। और निगम को वापस नहीं किया। इसके बाद आगरा के जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से मिले लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद रक्षामंत्री राजनाथ से मुलाकात की गई। लेकिन इसके बाद भी मंदिर वापस नहीं हुआ। अब 6 महीने बाद सेना ने राम मंदिर को वापस किया है। जो कबाड़ से बना हुआ अब फिर से निगम के कबाड़ खाने में जा पहुंचा है। आगरा शहर के जनप्रतिनिधि जो हर बार राम के नाम पर जीतते आ रहे है। इस मामले में उनका कोई ध्यान नहीं है।

दिल्ली एचसी ने दिये 24 घंटे, रेप पीड़िता के पिता की कस्टोडियल डेथ में मिली है सजा

कुलदीप सेंगर के भाई को सरेंडर करने का आदेश

> हाईकोर्ट ने मामले की मौजूदा स्थिति स्पष्ट करने के लिए संबंधित एजेंसियों से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि सजा निलंबन की मांग पर फैसला लेने से पहले यह जानना जरूरी है कि दोषी की वर्तमान स्थिति क्या है और अब तक की प्रक्रिया में क्या प्रगति हुई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव कस्टोडियल डेथ मामले के दोषी जयदीप सिंह सेंगर उर्फ अतुल सिंह को कल तक यानी 24 घंटे में सरेंडर करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इस मामले में एक स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की है। जयदीप सिंह सेंगर को इस मामले में सह-दोषी कुलदीप सिंह सेंगर के साथ दस साल की सजा सुनाई गई थी।

जयदीप सिंह सेंगर ने अपनी दस साल की सजा को निलंबित (सस्पेंड) करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकील ने अदालत को बताया कि जयदीप सिंह सेंगर कल तक

संबंधित जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर देंगे। अदालत ने इस आश्वासन को दर्ज करते हुए सरेंडर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्नाव कस्टोडियल डेथ केस में आरोप था कि पुलिस हिरासत के दौरान एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। ट्रायल कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद जयदीप सिंह सेंगर और कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी करार देते हुए दस साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषियों ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, सजा निलंबन याचिका पर विचार करते समय अदालत दोषी के आचरण, अपराध की प्रकृति, सजा की अवधि और अपील की सुनवाई में लगने वाले संभावित समय को ध्यान में रखती है। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जयदीप सिंह सेंगर निर्धारित समय में सरेंडर करते हैं या नहीं। मामले की अगली सुनवाई में अदालत स्टेटस रिपोर्ट पर विचार करने के बाद सजा निलंबन याचिका पर आगे का फैसला ले सकती है।

उद्घाटन : भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी स्टूडेंट चैप्टर का शुभारंभ

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी कॉलेज के आईटी विभाग में 20 फरवरी 2026 को भारतीय तकनीकी शिक्षा समिति के स्टूडेंट चैप्टर का उद्घाटन हुआ। सोसाइटी विभाग में क्विज, टेक्निकल इवेंट्स, हैकाथॉन और अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित करेगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. नीलेंद्र बादल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह सोसाइटी छात्रों के लिए एक मजबूत मंच है, जहाँ वे अपने तकनीकी ज्ञान और नेतृत्व क्षमता का विकास कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इस सोसाइटी से जुड़कर नई ऊँचाइयाँ हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एमआईईटी के कैंपस डायरेक्टर प्रो. संजय कुमार सिंह तथा प्रो. संजीव सिंह डीन अकादमिक भी उपस्थित रहे। आईटी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. स्वाति शर्मा, कोऑर्डिनेटर राहुल शिवहरे, डॉ. मुकेश रावत, मिस प्रेक्षा प्रताप मौजूद रहे। सोसाइटी के स्टूडेंट प्रेसिडेंट मयंक चौहान ने सोसाइटी के उद्देश्यों और आने वाली योजनाओं की जानकारी दी। इस आयोजन को सफल बनाने में छात्रों तनिषा गोयल, वरुण सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जगमोहन में केवल सेवायत गोस्वामी की होगी एंट्री

मथुरा । वृंदावन में भगवान बांके बिहारी मंदिर में सेवायत गोस्वामियों और कमेटी के बीच उपजे विवाद के बाद हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी द्वारा आपातकालीन बैठक बुलाई गई। बैठक में जगमोहन में भगवान को विराजमान कर दर्शन कराने का गोस्वामियों से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जगमोहन में सेवायत के अलावा किसी अन्य गोस्वामी के जाने पर भी रोक लगा दी गयी है। वहीं मीडिया मंदिर परिसर में किसी का इंटरव्यू भी नहीं करेगी। गुरुवार की देर शाम को बांके बिहारी मंदिर हाई पावर मैनजमेंट कमेटी द्वारा आपातकालीन बैठक बुलाई गई। जिसमें कमेटी द्वारा एक बार फिर बांके बिहारी मंदिर सेवायत गोस्वामियों से यह अपेक्षा की गई है कि वह ठाकुर जी को जगमोहन में बैठा कर दर्शन कराये। ताकि मंदिर के हर कोने से भक्तों को सुगमता और सरलता से ठाकुर जी के दर्शन हो सके। 17 फरवरी को हुई बैठक में ठाकुर जी को जग मोहन में बैठाकर कर दर्शन कराने का निर्णय लिया गया था ।

फर्जी एसटीएफ अधिकारी गिरफ्तार, 4 लाख की ठगी

कोलकाता के व्यवसायी से जमीन दिलाने के नाम पर ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। जमीन दिलाने के नाम पर साझेदारों की ओर से ठगे गए कोलकाता के एक व्यापारी को रुपये वापस दिलाने को लेकर फर्जी एसटीएफ अधिकारी ने भी ठग लिया। व्यापारी के शासन और प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत करने के बाद मामले की जांच हुई।

एसपी के आदेश पर पुलिस ने फर्जी एसटीएफ अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए फर्जी अधिकारी का नाम अजय सिंह है, जो सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर, अलीपुर उमरी का रहने वाला है। कोलकाता के आर-1021-ए, जोगी वाई निवासी व्यवसायी राकेश जायसवाल, अयोध्या में श्री प्रसादम नामक प्रतिष्ठान का संचालन करते

हैं। उन्होंने बताया कि उनके साझेदार सूर्यांश चतुर्वेदी और अनुराग द्विवेदी ने मिलकर जमीन दिलाने के नाम पर उनसे करीब 17 लाख रुपये ठग लिए हैं। इसी रुपये को वापस दिलाने के लिए फर्जी एसटीएफ अधिकारी अजय सिंह ने चार लाख रुपये लिए थे। उनके साझेदारों ने भी रुपये वापस नहीं किया और अजय सिंह ने भी रुपये हड़प लिया। व्यापारी के साझेदारों में अनुराग की मौत हो चुकी है। कोतवाल अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि फर्जी एसटीएफ अधिकारी बनकर ठगी करने वाले आरोपित अजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

शिक्षा मित्रों को अब ...

हमारी मांग 30 हजार रुपए की थी, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए यह भी बहुत है। सरकार ने हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग पर अमल किया है। हम शिक्षा मित्रों की ओर से योगी सरकार को बधाई देते हैं।

अनुदेशकों का मानदेय वर्ष 2017 में करीब 9 हजार रुपए से बढ़ाकर 17,000 रुपए किया गया था। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इस निर्णय को लागू नहीं किया गया। इसके विरोध में अनुदेशकों ने लखनऊ हाईकोर्ट की बेंच में याचिका दायर की थी।

लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के तत्कालीन न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान ने अनुदेशकों को 17,000 रुपए मानदेय 9 प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए अपील दायर की। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने केवल एक वर्ष के लिए 17,000 रुपए मानदेय भुगतान का निर्देश दिया, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की वह अपील खारिज कर दी है, जिसमें यूपी सरकार अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने के खिलाफ थी। साथ ही यह आदेश दिया है कि अनुदेशकों की नौकरी खत्म न की जाए। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने साफ कहा है कि संविदा की निर्धारित अवधि खत्म होने के बाद भी अनुदेशकों की नौकरी खत्म नहीं होगी। 10 साल से लगातार काम करने की वजह से यह पद ऑटोमैटिक तरीके से सृजित है। अनुदेशकों को 17 हजार रुपए मानदेय 2017 से लागू किया जाए।

'जाति-मजहब ...

कांग्रेस के युवा संगठन ने शर्मनाक काम किया। पूरी दुनिया में भारत की छवि को खराब करने का काम किया है।

किसानों का कर्जा माफ कियाः जब किसानों का कर्ज माफ करने के लिए सोचा तब भी पैसे की समस्या आई। लेकिन, हमने योजना बनाई और अपने बजट से 86 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। हमने बजट में डाटा सेंटर की स्थापना की बात कही है। सीएम युवा योजना से ब्याजमुक्त गारंटीयुक्त लोन दिया जा रहा है। प्रदेश में 1.10 लाख युवाओं को अब तक लोन दिया गया।

इससे पहले माता प्रसाद पांडेय ने निजी स्कूल-कॉलेजों की फीस का मुद्दा उठाया। कहा, एक कानून लाया जाए, जिससे स्कूल-कॉलेजों की फीस तय हो सके। ऐसा नहीं हुआ तो गलगोटिया जैसी स्थिति पैदा होगी। वो तो न जाने से कहां से कुत्ता खोज लाए हैं और कहा कि हमने बनाया है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पूरा सदन हंसने लगा।

दरअसल, AI समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने अपने स्टॉल पर चीन में बना एक रोबोट प्रदर्शित किया था और दावा किया था कि इसे उनके छात्रों ने तैयार किया है। पोल खुलने के बाद सरकार ने यूनिवर्सिटी को समिट से बाहर कर दिया था।

30 वर्ग मीटर ...

प्रदेश में हम अगले 5 साल में 100 टाउनशिप बनाएंगे। हमने अभी पिछले दिनों 114 टाउनशिप के प्रस्ताव को मंजूर किया है। जिनमें तेजी से गरीबों और अन्य वर्गों के लिए भी काम हो रहा है।

राजनीतिक साजिश ...

राहुल ने मोची की पोती श्रद्धा को गोद में लिया। उसके पैर में चोट देखकर उन्होंने पूछा कि क्या हुआ।

परिवार ने बताया कि चोट ठीक नहीं हो रही है। इस पर राहुल ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से बच्ची के इलाज की बात कही। उन्होंने बच्ची को चॉकलेट भी दी। रामचेत मोची की तीन महीने पहले कैंसर से मौत हो गई थी। डेढ़ साल पहले राहुल गांधी ने उनकी दुकान पर बैठकर जूते सिले थे। बाद में उन्होंने रामचेत को सिलाई मशीन भी भेजी थी।

मामला 8 साल पुराना है। आरोप है कि राहुल ने 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान अमित शाह को लेकर कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी। राहुल ने तब कहा था कि जो पार्टी ईमानदारी की बात करती है, उसका अध्यक्ष हत्या का आरोपी है।

इस बयान के बाद सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

सुल्तानपुर कोर्ट ने 19 जनवरी को राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष के वकील काशी शुक्ला को चेतावनी देते हुए कहा था कि यह आखिरी मौका है, इसके बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद 50 हजार रुपए कीमत के चार कार्टन सामान भी भेजा था। उन्होंने कॉल करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया था।

एआई समिट में यूथ ...

इनकी पहचान इंडियन यूथ कांग्रेस के सेक्रेटरी कृष्णा हरि, बिहार स्टेट सेक्रेटरी कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश स्टेट वाइस प्रसिडेंट अजय कुमार और नेशनल कोऑर्डिनेटर नरसिम्हा यादव के रूप में हुई है। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। BJP सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले काले रंग के छाते पर स्टिकर चिपकाकर भारत मंडपम में घुसने की योजना बनाई थी। फिर उन्हें एहसास हुआ कि गेट पर जांच के दौरान काले छाते पकड़े जाएंगे। इसलिए उन्होंने टी-शर्ट पर स्टिकर चिपका दिए। स्टिकर कहां छपवाए गए थे, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है। भाजपा ने AI समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने X पर पोस्ट में लिखा- यह कांग्रेस के अहंकार और हताशा का प्रदर्शन है! राहुल गांधी के लिए भारत को अपमानित करना ही सरकार को निशाना बनाने का तरीका है। तरुण चुघ, भाजपा नेता - 'कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। ये साजिश के तहत की गई है। जो माफ नहीं की जा सकती है। देश की जनता इस तरह के हरकतों के लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी।'

मुख्यमंत्री लघु...

इनमें सामान्य वर्ग के 158 तथा अनुसूचित जाति के 195 किसान शामिल हैं। यह श्रेणी लाभार्थियों की दृष्टि से सबसे बड़ी रही। 6.5 एचपी पम्पसेट के अंतर्गत कुल 9 किसानों को लाभ मिला, जिनमें सामान्य वर्ग के 5 और अनुसूचित जाति के 4 किसान शामिल हैं। वहीं 08 एचपी पम्पसेट श्रेणी में कुल 4 किसानों को पम्पसेट वितरित किए गए। इस श्रेणी में सामान्य वर्ग के 3 और अनुसूचित जाति के 1 किसान को लाभ मिला।

इस प्रकार तीनों श्रेणियों को मिलाकर कुल 366 किसानों को योजना का लाभ दिया गया। इनमें 166 सामान्य वर्ग और 200 अनुसूचित जाति के किसान शामिल हैं। कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करना है। पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था से फसल चक्र बेहतर होता है और उत्पादन में स्थिरता आती है। इससे कृषि आय में भी वृद्धि की संभावना रहती है।

'क्योटो भी चले ...

आपको बता दें कि सीएम योगी 22 फरवरी से सिंगापुर और जापान के दौरे पर जा रहे हैं. यह उनके 9 वर्षों के कार्यकाल में दूसरी विदेश यात्रा है. इससे पहले 2017 में वे म्यांमार के सीमित दौरे पर गए थे, लेकिन उसके बाद उन्होंने लंबे समय तक विदेश यात्राओं से दूरी बनाए रखी. अब उत्तर प्रदेश में निवेश और आधुनिक ढांचे... को गति देने की रणनीति के तहत सीएम दो महत्वपूर्ण एशियाई देशों की यात्रा पर जा रहे हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने 9 साल के कार्यकाल में दूसरी बार विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। 22 से 24 फरवरी तक वे सिंगापुर में निवेशकों से संवाद करेंगे और 25-26 फरवरी को जापान पहुंचेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 रन के अंदर 6 विकेट गंवाए, सीरीज 1-1 से बराबरी पर

भारतीय विमेंस टीम 17 रन से दूसरा टी-20 हारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने इंडिया विमेंस को 17 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। गुरुवार को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 163 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया 9 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वॉल ने सबसे ज्यादा 88 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वॉल ने मूनी के साथ मिलकर पहले विकेट लिए 128 रन जोड़े और ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने फिर चौथे विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन इस पार्टनरशिप के टूटते ही भारत ने अगले 7 रन के अंदर 6

विकेट गंवा दिए। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने सबसे ज्यादा 36 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति ने 31 और शेफाली ने 29 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उनके अलावा किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलेन्यू ने 2-2 विकेट लिए। भारत ने पहला टी-20 जीता, वहीं ऑस्ट्रेलिया के नाम दूसरा टी-20 रहा। सीरीज का तीसरा और डिसाइडर मुकाबला 21 फरवरी को एडिलेड स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारतीय पारी अच्छी शुरुआत के बाद पटरी से उतरी

164 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने तेज शुरुआत की। दोनों ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 54 रन बना दिए। भारत ने 7वें ओवर में 57 रन पर शेफाली का विकेट गंवाया और 10वें ओवर तक स्कोर 71 रन पर 3 विकेट हो गया।

- बेथ मूनी ने 46 रन बनाए। उन्होंने वॉल के साथ मिलकर 128 रन की पार्टनरशिप की।
- जॉर्जिया वॉल ने सबसे ज्यादा 88 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर्स ने भारत को बैकफुट पर धकेला

भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया को दोनों ओपनर्स जॉर्जिया वॉल और बेथ मूनी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने शतकीय साझेदारी करते हुए पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े। भारत ने 7वें ओवर में 57 रन पर शेफाली का विकेट गंवाया और 10वें ओवर तक स्कोर 71 रन पर 3 विकेट हो गया।

> 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट खोए 128 रन बना लिए थे। ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया 180 या 190 के स्कोर तक पहुंच सकती है, लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट पर 163 रन के स्कोर पर रोक दिया ऑस्ट्रेलिया से वॉल ने 57 गेंदो पर 88 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं मूनी ने 39 गेंदों पर 46 रन बनाए।

श्रीलंका को हराकर फाइनल में भारत

दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश ने पाक को हराया

बैंगकॉक, एजेंसी

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का पहला सेमीफाइनल भारत ए और श्रीलंका ए के बीच बैंगकॉक में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश ए ने पाकिस्तान ए को 54 रनों से मात देकर फाइनल में एंट्री की। इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला रविवार को बैंगकॉक में ही खेला जाएगा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ए की टीम 19.4 ओवर में सिर्फ 118 रन बना सकी। जवाब में टीम इंडिया ने महज 13.3 ओवर में पांच विकेट पर 119 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में भारत की जीत की हीरो राधा यादव रहीं, जिन्होंने चार विकेट

झटके। इसके बाद दिनेश वृंदा का बल्ला गरजा और उन्होंने 42 रनों की तूफानी पारी खेली। दूसरे सेमीफाइनल मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए ने कप्तान फहिमा खातून की 40 रनों की नाबाद पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 110 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 56 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने फाइनल में एंट्री कर ली।

पाकिस्तान बोर्ड ने क्रिकेटर से कहा-दिग्गजों पर कमेंट न करें

शादाब खान बोले थे- हमने भारत को हराया, ये सीनियर खिलाड़ी नहीं कर पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर शादाब खान को अपने बयान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) की नाराजगी का सामना करना पड़ा है। शादाब ने कहा था कि हमने भारत को हराया है, ये काम सीनियर प्लेयर नहीं कर पाए। शादाब का इशारा 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भारत पर जीत को लेकर था। अब PCB ने पूर्व खिलाड़ियों की आलोचना पर दिए शादाब के बयान को अनुचित माना है। 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराया था। बोर्ड ने शादाब को हिदायत देते हुए अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है। यह पूरा मामला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद हुई पाकिस्तान की प्रेस

कॉन्फ्रेंस से शुरू हुआ। नामीबिया के खिलाफ 36 रन बनाने और 3 विकेट लेने के बाद शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'आलोचना क्रिकेट के इतिहास का हिस्सा है। पूर्व क्रिकेटर्स की अपनी राय है। वे दिग्गज थे, लेकिन हमने जो किया, वे नहीं कर सके। हमने वर्ल्ड कप में भारत को हराया है।' न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक PCB ने टीम मैनेजर नवीद चीमा के जरिए शादाब से नाराजगी जाहिर की है। चीमा ने शादाब को फोन कर बताया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपनी सीमाएं लांघी हैं। शादाब को याद दिलाया गया कि उनके ससुर सकलैन मुश्ताक समेत सभी पूर्व खिलाड़ी पाकिस्तान के दिग्गज हैं और वे सम्मान के हकदार हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि खिलाड़ियों को ऐसी भाषा के इस्तेमाल से बचना चाहिए। PCB ने सिर्फ शादाब ही नहीं, बल्कि पूरी टीम को नसीहत दी है। टीम मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी खिलाड़ियों को समझाएं कि वे अपनी टिप्पणियों को सिर्फ मैच तक ही सीमित रखें। अगर कोई खिलाड़ी दोबारा मर्यादा लांघता है तो बोर्ड उस पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने भी शादाब के बयान को गैरजरूरी बताया और कहा कि दिग्गजों के खिलाफ बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

बीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया

खिलाड़ियों को 4 ग्रेड में बांटा, ग्रेड डी खिलाड़ियों को मिलेंगे सिर्फ 1.5 लाख रुपये

ढाका, एजेंसी

Bangladesh Cricket Board (BCB) ने 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2026 तक के लिए पुरुष टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी है। इस बार बोर्ड ने खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाते हुए 22 से 28 कर दी है। सभी खिलाड़ियों को A, B, C और D कैटेगरी में बांटा गया है। तेज गेंदबाज तस्किन अहमद, जो पिछले साल अकेले A+ ग्रेड में थे, इस बार A ग्रेड में शामिल किए गए हैं। फरवरी में एचिलीज चोट के कारण वे 2025 में कोई टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे, लेकिन सीमित ओवर क्रिकेट में सक्रिय रहे। 2025 में उन्होंने 6 वनडे मैचों में 8 विकेट और 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 24 विकेट लिए। करियर की बात करें तो तस्किन अब तक 17 टेस्ट में 49 विकेट,

83 वनडे में 117 विकेट और 86 टी20 में 106 विकेट ले चुके हैं। A ग्रेड में नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, लिटन दास और तस्किन अहमद को जगह मिली है। इन खिलाड़ियों को प्रति माह 8 लाख बांग्लादेशी टका (करीब 6 लाख) वेतन मिलेगा। अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम, जिन्होंने पिछले साल मार्च में वनडे से संन्यास लिया था, अब B ग्रेड में आ गए हैं। उनके साथ मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तौहीद हृदय, हसन महमूद, नाहिद राणा, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को भी B ग्रुप में रखा गया है। B ग्रेड के खिलाड़ियों को प्रति माह 6 लाख बांग्लादेशी टका (करीब 4.5 लाख) वेतन मिलेगा। BCB के इस फैसले को टीम की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने और भविष्य की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। 2026 सीजन में बांग्लादेश को कई अहम अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलनी हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर टीम मैनेजमेंट को अधिक विकल्प दिए गए हैं।

ग्रेड डी के खिलाड़ियों को ₹1.5 लाख

ग्रेड C में सौम्या सरकार, जाकेर अली अनिक, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, नासुम अहमद और सैयद खालिद अहमद शामिल हैं। इनकी मासिक सैलरी 4 लाख टका (लगभग 2.9 लाख) होगी। ग्रेड D में सैफ हसन, परवेज हुसैन एमोन, तनवीर इस्लाम, नईम हसन, हसन मुराद, शमीम हुसैन और काजी नुरुल हसन सोहन शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को 2 लाख टका (करीब 1.5 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी।

4 खिलाड़ियों को बी ग्रेड में प्रमोशन मिला

शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को शानदार प्रदर्शन के चलते B ग्रेड में प्रमोशन मिला है। तंजीद हसन 2025 में टी20 में बांग्लादेश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 27 मैचों में 775 रन बनाए। वहीं, रिशाद हुसैन ने पिछले सीजन वनडे और टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा विकेट लिए।

मनोरंजन

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक को नोटिस

भ्रामक विज्ञापन करने का आरोप, कंज्यूमर कोर्ट ने कोल्ड ड्रिंक कंपनी से भी मांगा जवाब

झालावाड़, एजेंसी

झालावाड़ उपभोक्ता न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन, माउंटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक बनाने वाली कंपनी और डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने 1 महीने में नोटिस का जवाब मांगा है। एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने उपभोक्ता आयोग में परिवार पेश करते हुए आरोप लगाया कि कोल्ड ड्रिंक कंपनी और इसके ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन विज्ञापन में जो दिखाते हैं, वह पूरी तरह भ्रामक है। विज्ञापन में दावा किया जाता है।

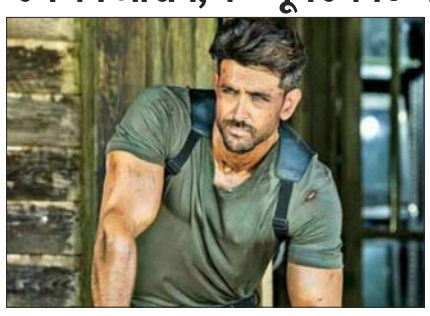

कोर्ट से जारी नोटिस में एक महीने का समय

एडवोकेट गुरचरण सिंह ने बताया- 20 जनवरी को परिवाद पेश किया गया था। कोर्ट में तथ्यों की जांच के बाद 12 फरवरी को कोर्ट ने कंपनी के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता ऋतिक रोशन, कोल्ड ड्रिंक कंपनी पेप्सिको और डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी वरुण बेवरेज लिमिटेड को डाक के माध्यम से नोटिस भेजे हैं और 1 महीने में जवाब मांगा है।

> एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने कोर्ट को बताया- कंपनी और फिल्म स्टार मिलकर उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 2(28) के तहत कोई भी ऐसा विज्ञापन जो किसी उत्पाद की गुणवत्ता, प्रकृति या उससे मिलने वाले लाभ के बारे में गलत जानकारी देता है, वह 'भ्रामक विज्ञापन' की श्रेणी में आता है।

कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद कुछ अलग महसूस नहीं हुआ

एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने कहा- माउंटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक कंपनी का विज्ञापन ऋतिक रोशन करते हैं। उनके द्वारा यह बोला जाता है कि माउंटेन ड्यू जितना ज्यादा आप पीएंगे, आप में हिम्मत बढ़ेगी। आपका डर खत्म होगा। यह सब चीजें उसमें बताई गई है। यह विज्ञापन देखकर मैंने भरोसा किया और माउंटेन ड्यू खरीद कर पी।

फिल्म 'कॉकटेल 2' की कहानी लीक

शाहिद कपूर बने लव ट्रायंगल का तीसरा एंगल, रश्मिका-कृति का लेस्बियन रोमांस चर्चा में

मुंबई। बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर एक नई बड़ी खबर सामने आई है जिसमें फिल्म की स्टोरी रिलीज से पहले ही लीक होने का दावा किया जा रहा है। इस खबर के अनुसार, लीक हुई कहानी में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के किरदारों के बारे में असाधारण अपडेट सामने आया है। OCD Times की रिपोर्ट मुताबिक फिल्म में रश्मिका मंदाना और कृति सेनन एक-दूसरे से प्यार करने वाली लड़की-लड़की के किरदार में नजर आ सकती हैं। यानी दोनों एक लेस्बियन कपल का रोल निभा सकती हैं, जो इस फिल्म को बॉलीवुड में एक अलग तरह का रोमांटिक एंगल देगा। वैसे इस तरह की कहानी को लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन रिपोर्टें यही

दावा कर रही हैं कि इनके बीच का प्यार ही फिल्म की सबसे बड़ी कहानी बन सकता है। ऐसे में शाहिद कपूर की भूमिका को तीसरे कोण के रूप में बताया जा रहा है, जो इस प्रेम कहानी के बीच में आता है और एक लव ट्रायंगल की शक्ल लेता है। ये प्रेम त्रिकोण फिल्म को आधुनिक रिश्तों के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित करने की कोशिश दिखाता है और पारंपरिक रोमांटिक कहानियों से हटकर कुछ नया पेश करता है। हालांकि, जैसा कि कहा गया है, यह पूरी कहानी केवल लीक रिपोर्ट पर आधारित है और फिलहाल फिल्म की आधिकारिक टीम ने कहानी, किरदारों या प्लॉट का खुलासा नहीं किया है। जहां तक रिलीज डेट का सवाल है, फिल्म की रिलीज तारीख का अभी तक कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की योजना है ताकि यह शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' के लगभग छह महीने बाद आए और दोनों फिल्मों को अपने-अपने समय और दर्शक मिल सकें। लेकिन यह भी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। कुल मिलाकर, 'कॉकटेल 2' की कहानी को लेकर इन दिनों बड़ी दिलचस्प चर्चा है और अगर लीक जानकारी सही साबित होती है तो यह बॉलीवुड में रिश्तों के नए और प्रगतिशील चित्रण के लिए एक अहम फिल्म साबित हो सकती है।

धनुष के प्रीमियर में आने का कारण रोमांटिक नहीं

मृणाल ठाकुर बोलीं- मैं उनकी लंबे समय से फैन हूं

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान एक बार फिर साउथ सुपरस्टार धानुष के बीच चल रही डेटिंग अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। डेटिंग और शादी की अफवाहें तब शुरू हुईं जब धनुष मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर में पहुंचे थे। इस घटना के बाद से ही मीडिया और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें बनने लगीं कि दोनों रिलेशनशिप में हैं और शादी करने वाले हैं। हिंदुस्तान टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक मृणाल ने स्पष्ट किया कि धनुष के प्रीमियर में आने का कारण कोई रोमांटिक नहीं था, बल्कि वह उनके काम की प्रशंसक हैं। उन्होंने बताया कि वे धनुष की लंबे समय से फैन रही हैं और उनके द्वारा किए गए

कई फिल्मों और रोल्स को उन्होंने बेहद सराहा है। उन्होंने विशेष रूप से रांझणा, असुरण, मारी, कैप्टन मिलर और रायान जैसी फिल्मों का उल्लेख किया, जिन्हें उन्होंने देखा और उनसे प्रेरित हुईं। मृणाल ने कहा कि धनुष सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक शानदार गीतकार, गायक, डांसर और निर्देशक भी हैं, और उनके काम की गुणवत्ता ने उन्हें बेहद प्रभावित किया।

'टॉक्सिक' के टीजर पर फैंस ने लुटाया प्यार

सात घंटे में मिले 9 मिलियन से ज्यादा व्यूज, इस भाषा ने मारी बाजी

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर छा गया है। दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक, हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और खून-खराबे से भरी झलक ने दर्शकों के बीच रोमांच पैदा कर दिया है। टीजर में यश का अंदाज पहले से ज्यादा रॉ, एग्रेसिव और रहस्यमयी नजर आ रहा है, जिसे फैंस जबरदस्त प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी और इसी रणनीति के तहत इसका टीजर भी हिंदी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम—इन पांच भाषाओं में जारी किया गया है। रिलीज के कुछ ही घंटों में टीजर ने व्यूज के मामले में शानदार शुरुआत की है। फिल्म का टीजर KVN Productions के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया। खबर लिखे जाने तक महज 7 घंटे में टीजर को कुल 9.84

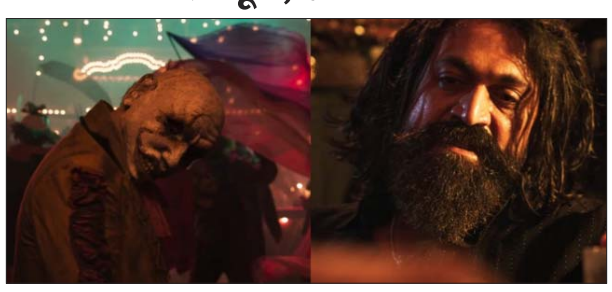

टीजर में क्या है खास?

करीब डेढ़ मिनट के टीजर में यश एक खतरनाक और रहस्यमयी किरदार में दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे के भाव, स्लो-मोशन एक्शन शॉट्स और डार्क विजुअल टोन फिल्म की कहानी के गंभीर और हिंसक स्वरूप की ओर इशारा करते हैं। टीजर में अपराध, सत्ता और बदले की झलक मिलती है। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर भी दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहा है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे "ब्लॉकबस्टर लोडिंग" और "नेक्स्ट लेवल एक्शन" जैसे कमेंट्स के साथ सराहा है।

मिलियन (करीब 98.4 लाख) व्यूज मिल चुके हैं, जो इसकी जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाता है। इन आंकड़ों से साफ है कि हिंदी वर्जन को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। हालांकि कन्नड़ वर्जन को भी अपने घरेलू दर्शकों से मजबूत समर्थन मिला है। फिल्म का पूरा नाम 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' है।

> 'टॉक्सिक' को बड़े पैमाने पर रिलीज करने की तैयारी है। पांच भाषाओं में एक साथ टीजर जारी करना इस बात का संकेत है कि मेकर्स इसे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पेश करना चाहते हैं। कि 'टॉक्सिक' बॉक्स ऑफिस पर बड़ा रिकॉर्ड बना सकती है।
>
> फिलहाल टीजर ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों में फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्सुकता है।

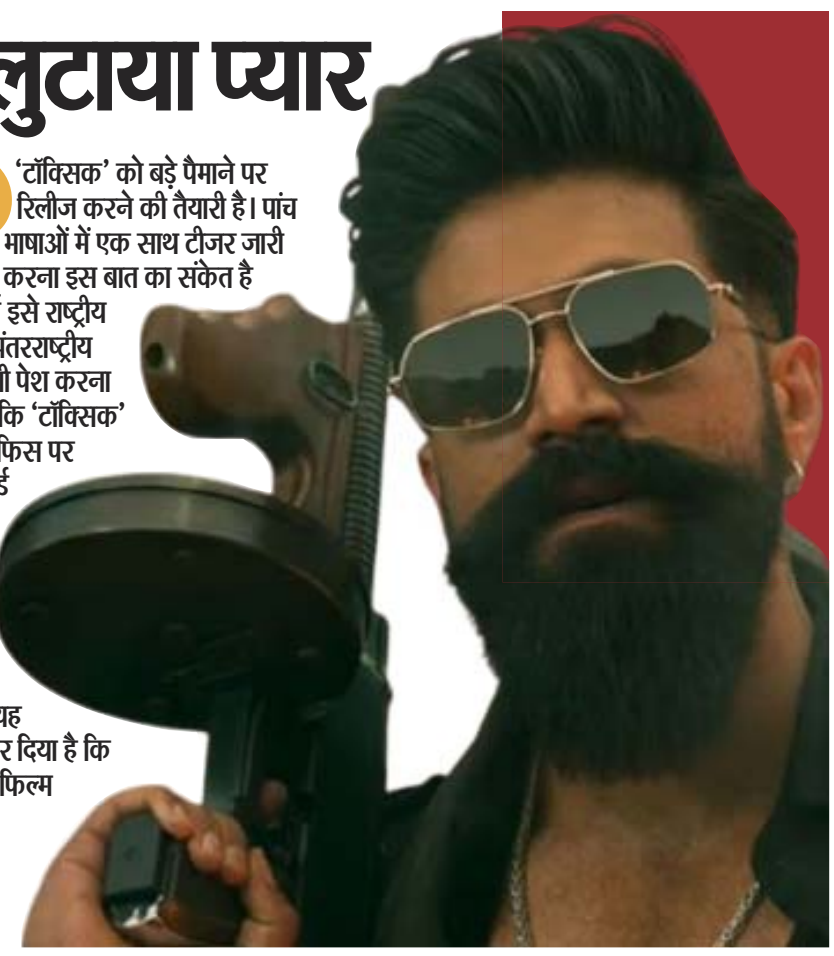

ट्रम्प के मैसेज लीक करने पर मैक्रों का जवाब

कहा- रिश्तों में सम्मान जरूरी, कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते दिख रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि देशों के बीच रिश्तों में सम्मान बहुत जरूरी होता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों नेताओं के बीच हुए प्राइवेट मैसेज लीक कर दिए। भारत के तीन दिन के दौरे पर आए मैक्रों ने भारतीय पॉडकास्टर राज शमानी के शो में यह बात कही। उनसे पूछा गया कि उनके निजी मैसेज लीक होने पर उन्हें कैसा लगा। इस पर मैक्रों ने सीधे ट्रम्प का नाम लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना जरूर कहा कि कूटनीति में एक-दूसरे का सम्मान जरूरी है। ट्रम्प ने 20 जनवरी को मैक्रों का निजी मैसेज लीक किया था। उस मैसेज में मैक्रों ने ट्रम्प से कहा था कि वे समझ नहीं पा रहे हैं कि ट्रम्प ग्रीनलैंड को लेकर क्या करना चाहते हैं। उन्होंने आगे मिलकर काम करने की बात भी कही थी और G7 बैठक की मेजबानी का सुझाव दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि इस बैठक में यूक्रेन,

डेनमार्क, सीरिया और रूस जैसे देशों को शामिल किया जा सकता है। इसके बाद ट्रम्प ने फ्रांस की वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी और कहा कि इससे मैक्रों पर दबाव पड़ेगा। बाद में ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दोनों के बीच हुए निजी मैसेज भी शेयर कर दिए, जिनमें मैक्रों ने ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की दिलचस्पी पर चिंता जताई थी। फ्रेंच वाइन और शैम्पेन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हैं। फ्रांस की वाइन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता हैं। फ्रांस को दुनिया की वाइन राजधानी कहा जाता है।

मैक्रों बोले- हिंसा और अपमान की जरूरत नहीं

मैक्रों ने पॉडकास्ट में यह भी कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपने नेता बदलने का अधिकार होता है, इसलिए हिंसा और अपमान की जरूरत नहीं है। वे समाज में नफरत भरी भाषा और हिंसा के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या दुनिया को अमेरिका के मौजूदा लीडरशिप से डरने की जरूरत है, तो उन्होंने कहा कि आज के हालात में यह थोड़ा हैरान करने वाला है कि कुछ नेता आगे बढ़ने की बजाय पीछे की तरफ जाते दिख रहे हैं।

फ्रेंच वाइन फ्रांस के अलग-अलग इलाकों में उगाए गए अंगूरों से बनाई जाती है। इसमें 11-15% तक अल्कोहल होता है।

मैक्रों ने कहा कि देश आपस में सहमत हों या असहमत, लेकिन अपनी बात सम्मान के साथ रखनी चाहिए। असहमति जताना गलत नहीं है, लेकिन उसका तरीका सही होना चाहिए। मैक्रों ने ट्रम्प पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते हुए दिख रहे हैं।

ट्रम्प ने फ्रांसीसी वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी दी थी

ट्रम्प और मैक्रों के बीच लंबे समय के तल्खी रही है, लेकिन हाल में विवाद तब बढ़ा जब फ्रांस ने ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता ठुकरा दिया। यह बोर्ड गाजा के विकास के लिए बनाया गया है। फ्रांस समेत कई देशों ने इस बात पर चिंता जताई कि बोर्ड के दस्तावेज में गाजा और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष का साफ जिक्र नहीं है।

ब्रिटेन का अमेरिका को अपने एयरबेस देने से इनकार

ट्रम्प ईरान पर हमले के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इनकार कर दिया। इससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता दिख रहा है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की बात थी। अमेरिका ईरान पर संभावित हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह

ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है। दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतर-राष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया इसलिए अहम माना जाता है क्योंकि यह हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित एक बड़ा सैन्य ठिकाना है। यहां से अमेरिका दूर तक और तेजी से सैन्य ऑपरेशन चला सकता है।

फास्ट न्यूज

निवेश का साधन बनी 'टाइमपीस'

लंदन। लग्जरी घड़ियां अब सिर्फ रईसी दिखाने और समय जानने का साधन नहीं रहीं, बल्कि तेजी से उम्दा निवेश बनती जा रही हैं। यही वजह है कि ये अपराधियों के निशाने पर हैं। अंतरराष्ट्रीय वॉच ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म 'द वॉच रजिस्टर' की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में दुनियाभर में 10 हजार से ज्यादा महंगी घड़ियां चोरी या गुम होने के मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर घंटे एक लग्जरी घड़ी गायब हो रही है।

निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार के सात कदम

नई दिल्ली। सरकार ने देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सात नई पहल की घोषणा की है, जिनमें ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट सहायता और वैकल्पिक व्यापार वित्त साधनों को समर्थन शामिल है। ये कदम 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत उठाए गए हैं, सरकार का कहना है कि इन समन्वित वित्तीय और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित उपायों के माध्यम से पूंजी लागत में कमी, व्यापार वित्त के विकल्पों का विस्तार, अनुपालन क्षमता में सुधार, लॉजिस्टिक्स बाधाओं का समाधान और एमएसएमई के लिए वैश्विक बाजारों में बेहतर एकीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

टेन्सर चिप डेटा चोरी मामले में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिका में गूगल के इन-हाउस टेन्सर प्रोसेसर से जुड़े कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी मामले में एक पूर्व गूगल इंजीनियर, उसके पति और बहन पर गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय समानेह घंदाली, जो ईरानी नागरिक हैं, सिलिकॉन वैली में गूगल में हार्डवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उनकी 32 वर्षीय बहन सोरूर घंदाली भी कंपनी में इंटर्न रह चुकी थीं।

सेंसेक्स 316 अंक चढ़कर 82,814 पर बंद

निफ्टी में 117 अंकों की तेजी, 25,571 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

सेंसेक्स आज यानी शुक्रवार 20 फरवरी को 316 अंक (0.38%) चढ़कर 82,814 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 117 अंक (0.46%) चढ़ा। ये 25,571 के स्तर पर पहुंच गया। आज के कारोबार में मेटल और सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी है। आईटी में गिरावट है। विदेशी निवेशकों (FII) ने 19 फरवरी को 880 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 596 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस महीने यानी फरवरी में अब तक FIIs ने 1,076 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस दौरान DIIs ने 11,474 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। जनवरी 2026 में FIIs ने कुल 41,435 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान DIIs ने 69,220 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

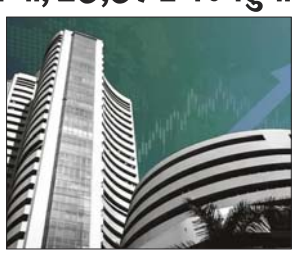

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस अपना इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) 23 फरवरी को खुलेगा। निवेशक 25 फरवरी तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस IPO के जरिए 3,100 रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी इस इश्यू के जरिए फ्रेश शेयर और ऑफर फॉर सेल (OFS) दोनों लेकर आ रही है। शेयर बाजार में कल यानी 19 फरवरी को गिरावट है। सेंसेक्स 1236 अंक (1.48%) की गिरावट के साथ 82,498 के स्तर पर बंद हुआ।

गाजा के लिए ₹1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान, 50 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

ट्रम्प की 'बोर्ड ऑफ पीस' मीटिंग में भारत शामिल हुआ

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने गुरुवार को ऑब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं। भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। 'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा

यूएन की निगरानी करेगा ट्रम्प का बोर्ड ऑफ पीस

5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि यह बोर्ड अब दुनिया भर के संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाएगा।

राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपए (7 अरब डॉलर) देंगे।

ट्रम्प ने कहा, बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि वह ठीक से काम कर रहा है। वहीं, 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक से ठीक पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक हुई। इसमें वेस्ट बैंक में इजरायल के नियंत्रण बढ़ाने की कोशिशों की आलोचना की गई।

ट्रम्प बोले- ये रकम युद्ध पर खर्च के मुकाबले बहुत छोटी

ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थायी शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है। ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डॉलर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे जाएंगे, वे कब तैनात होंगे और दी गई रकम का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा।

हमास बोला- जब तक इजराइली सेना यहां है, हथियार नहीं छोड़ेंगे

दूसरी ओर हमास ने कहा है कि जब तक इजराइली सेना पूरी तरह नहीं हटती, वह हथियार नहीं डालेगा। हाल ही में हमास लीडर ओसामा हमदान ने अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में कहा कि संगठन ने अभी तक हथियारों पर कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया है। वहीं, इजराइल का कहना है कि जब तक हमास पूरी तरह हथियार नहीं छोड़ता, सेना गाजा से नहीं हटेगी। इजराइल ने हमास को 60 दिन का समय दिया है कि वह पूरी तरह हथियार छोड़ दे। ट्रम्प के दामाद और वार्ताकार जेरेड कुशनर ने दावोस में गाजा के दक्षिणी हिस्से में छह नए शहर बसाने और समुद्री तट पर पर्यटन परियोजना बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि, इसके लिए फंडिंग और समय-सीमा अभी तय नहीं है।

22 दिन में ₹21,683 की गिरावट, चांद ₹792 गिरकर ₹2.45 पर आई

सोना ₹132 सस्ता हुआ, ₹1.54 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी की कीमत में आज 20 फरवरी को मामूली गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 132 रुपए सस्ता होकर 1.54 लाख पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 792 रुपए गिरकर 2.45 लाख पर आ गई है। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं। दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने

वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है। हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं। ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्टः असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्टः सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ बहुत तेजी से पिघलेगी।

स्मेल टेस्टः असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आ सकती है।

क्लॉथ टेस्टः चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

बलूच लड़ाकों की कैद में रोते दिखे पाकिस्तानी सैनिक

कहा- हम देश के लिए लड़ते हैं, लेकिन सरकार को हमारी कोई परवाह नहीं

- पाकिस्तानी सैनिकों के कैद करने का यह वीडियो बीएलए से जुड़े हक्काल मीडिया ने जारी किया है।
- कैमरे पर रोते हुए असलियत बताते पाकिस्तानी सैनिक।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें पाकिस्तानी सैनिक सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में 7 पाकिस्तानी सैनिकों को दिखाया गया है। वीडियो में एक सैनिक रोते हुए कह रहा है कि वह पाकिस्तान के लिए लड़ता रहा,

लेकिन आज सेना उसे अपना नहीं मान रही। सैनिक कह रहा है- 'मेरे पास पाकिस्तानी सेना का ID कार्ड है, फिर क्यों कहा जा रहा है कि मैं पाकिस्तानी सैनिक नहीं हूं।' यह वीडियो पाकिस्तान की सेना के उस बयान को सीधी चुनौती देता है, जिसमें कहा गया था कि उसके कोई भी सैनिक लापता नहीं हैं और न ही किसी उग्रवादी संगठन की हिरासत में हैं। BLA ने 14 फरवरी को इन सैनिकों को पकड़ा था। इनकी रिहाई के लिए BLA ने बलूच लड़ाकों की रिहाई की मांग की है। इसके लिए पाकिस्तान सरकार को 22 फरवरी तक का वक्त दिया गया है।यह वीडियो BLA के आधिकारिक चैनल 'हक्काल' पर जारी किया गया है। वीडियो में बंदी बनाए गए सैनिकों से BLA लड़ाके कहते हैं, "पाकिस्तान सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन वो आप लोगों को अपना मानने से इनकार कर रही है। आप कैसे साबित करेंगे कि पाकिस्तानी सैनिक हैं?" इसके जवाब में सैनिक रोते हुए कहते हैं, "आर्मी कैसे कह सकती है कि हम उनके 'बंदे' नहीं हैं।" सैनिक कैमरे के सामने अपने ऑफिशियल सर्विस और आइडेंटिटी कार्ड दिखाते हुए कहते हैं- 'ये आर्मी का ही तो है न। इन्होंने ही तो हमें ये सब दिया था। हमने खुद ये तो नहीं बनाया है।

साइन : चिप सेक्टर में 10 लाख नौकरियां आएंगी, मोदी-ट्रम्प की मुलाकात जल्द

एआई समिट में भारत-अमेरिका का 'पैक्स सिलिका' समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के आखिरी दिन भारत और अमेरिका ने 'पैक्स सिलिका' डिक्लेरेशन पर साइन किए हैं। इस समझौते का मकसद दुनिया भर में सेमीकंडक्टर और AI की सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और गैर-मित्र देशों पर निर्भरता कम करना है। सर्जियो गोर ने भारत में हो रही इस समिट को बेहद प्रभावशाली बताया। जब उनसे पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकेत देते हुए कहा- बने रहिए। मुझे यकीन है कि सही समय पर यह मुलाकात जरूर होगी। भारत और अमेरिका के बीच हुए 'पैक्स सिलिका' समझौते के दौरान गूगल और अल्फाबेट के

सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि इस समझौते का मकसद सुरक्षा और भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित करना है। साथ ही, इससे अहम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बिजनेस के नए रास्ते खुलेंगे। सुंदर पिचाई ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों पर जोर देते हुए कहा कि एआई (AI) का फायदा सबको मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गूगल अपने प्रोडक्ट्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और खास बिजनेस सॉल्यूशंस के जरिए भारत में एआई की ग्रोथ को पूरा सपोर्ट कर रहा है।

> "अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को आने वाले समय में करीब 10 लाख अतिरिक्त स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी और दुनिया की यह उम्मीद भारत से ही है। उन्होंने कहा, "देश के पास अब एक साफ दिशा और लक्ष्य है। हमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडरशिप लेनी है।"

अश्विनी वैष्णव बोले- सेमीकंडक्टर का हब बनेगा भारत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमेरिकी आर्थिक मामलों के सचिव जैकब हेलबर्ग ने इसपर साइन किए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत अब पैक्स सिलिका का हिस्सा बन गया है, जिससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बड़ा फायदा होगा। उन्होंने बताया- भारत में पहले से ही 10 प्लांट्स पर काम चल रहा है।

अमेरिका बोला- भारत का प्रवेश सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं

समिट में शामिल अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस गठबंधन में भारत की एंट्री को रणनीतिक रूप से अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा, भारत के पास ऐसा टैलेंट है जो किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकता है।

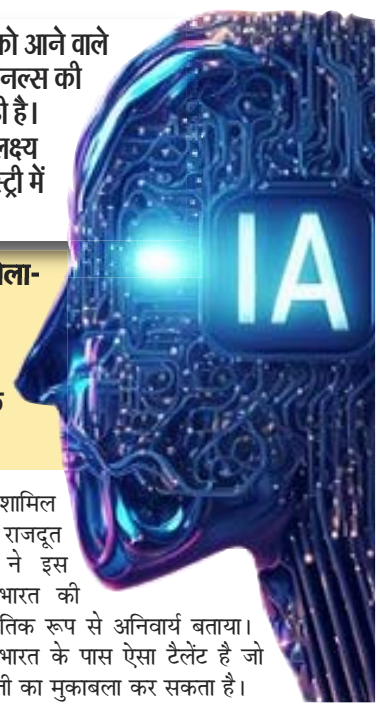

अमेरिका में पंजाबी ड्राइवर ने 3 गाड़ियों को उड़ाया

ट्रक से रेड लाइट जंप की, एक व्यक्ति की मौत

लुधियाना, एजेंसी

अमेरिका के इंडियाना में पुलिस ने पंजाबी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सुखदीप सिंह के नाम से हुई है। उसने अपने सेमी-ट्रक से एक सफेद पिकअप ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप ड्राइवर 64 वर्षीय टेरी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सुखदीप ने रेड लाइट जंप की, जिससे कुल तीन वाहन इस हादसे की चपेट में आ गए। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे हेंड्रिक्स काउंटी में हुई, जो इंडिया-नापोलिस के पश्चिम में स्थित है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी सुखदीप सिंह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, वह न केवल लापरवाही से वाहन चला रहा

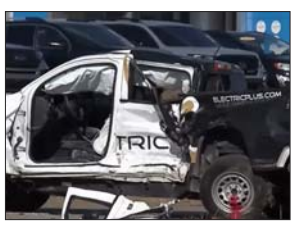

था, बल्कि उसकी इमिग्रेशन स्थिति भी अवैध पाई गई। फिलहाल वह इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) की हिरासत में है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि सुखदीप सिंह किस जिले का रहने वाला हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंजाबी ट्रक ड्राइवर सुखदीप सिंह 2018 में अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचा था, जहां उसे पुलिस ने पकड़ा लिया था। उस वक्त सुखदीप सिंह नाबालिग था। जिसकी वजह से 'फ्लोर्स कंसेंट डिक्री' के तहत छोड़ा गया था। यह नियम अनिवार्य करता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96